दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः बुधवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 172 • पृष्ठ 8 • दुमका, बुधवार 21 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

अमेरिका दौरे से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले

हम तटस्थ नहीं, शांति के पक्ष में खड़े

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि रूस-यूक्रेन के बीच मौजूदा संघर्ष में भारत शांति के पक्ष में खड़ा है. अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के लिए रवाना होने से पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि जब यूक्रेन संघर्ष की बात आती है, तो 'कुछ लोग कहते हैं कि हम तटस्थ हैं. लेकिन हम तटस्थ नहीं हैं. हम शांति के पक्ष में हैं.' यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने वाले रूस के खिलाफ अधिक कठोर रुख नहीं अपनाने के लिए उनकी सरकार की अमेरिका में आलोचना होने की बात को पीएम मोदी ने खारिज कर दिया.

पीएम मोदी ने कहा कि 'मुझे नहीं लगता कि अमेरिका में इस तरहर की व्यापक धारणा है. मुझे लगता है कि भारत की स्थिति पूरी दुनिया में अच्छी तरह से जानी जाती है और अच्छी तरह से समझी जाती है. दुनिया को पूरा भरोसा है कि भारत की सबसे पहली प्राथमिकता शांति है.' नई दिल्ली में प्रधानमंत्री निवास पर वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि 'सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए. विवादों को कूटनीति और बातचीत से सुलझाना चाहिए, युद्ध से नहीं.' बहरहाल भारत ने रूस के हमले की निंदा करने वाली संयुक्त राष्ट्र की वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया था.

पीएम मोदी ने अपने इंटरव्यू में कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से उनकी कई बार बात हो चुकी है. उन्होंने हाल ही में मई में जापान में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान जेलेंस्की से बात की थी. पीएम मोदी ने कहा कि 'भारत जो कुछ भी कर सकता है वह करेगा और संघर्ष को खत्म करने और स्थाई शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने की सभी असली कोशिशों का समर्थन करता है.' इंटरव्यू के दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत के नेताओं के बीच 'एक अभूतपूर्व भरोसा' है. उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को दोनों देशों की साझेदारी का एक 'महत्वपूर्ण स्तंभ' बताया. जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा तक फैला हुआ है.

बालासोर ट्रेन हादसे में बड़ी साज़िश की आशंका,सीबीआई की पूछताछ के बाद सिग्नल जेई आमिर खान परिवार समेत गायब

भुवनेश्वर(ओडिशा)/एजेंसी।

ओडिशा के बालासोर में हुए भीषण रेल हादसे की जाँच कर रही केंद्रीय जाँच ब्यूरो ने सेक्शन सिग्नल जूनियर इंजीनियर का घर सील कर दिया है। जूनियर इंजीनियर बालासोर के सोरो में किराए के मकान में रहता था। मगर,ि×फलहाल वह परिवार के साथ गायब बताया जा रहा है। उइक पूछताछ के बाद वह परिवार समेत गायब हो चुका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार,इस सेक्शन सिग्नल जेई का नाम आमिर खान है। आमिर खान से उइक ने किसी अज्ञात स्थान पर हादसे के विषय में पूछताछ की थी। मगर, इसके बाद से वह अपने घर से गायब है। इसके बाद सोमवार (19 जून 2023) को उइक ने किराए का उसका घर सील कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, उइक की एक टीम आमिर के घर की निगरानी कर रही है। बात दें कि,बालासोर के बहानागा रेलवे स्टेशन के नजदीक 2 जून 2023 को हुए दर्दनाक रेल हादसे में 292 लोगों की जान चली गई थी। शुरुआती जाँच में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव के चलते हादसा होने की बात सामने आई थी। 6 जून को मामले की जाँच का जिम्मा उइकको सौंपा गया था। जाँच टीम 16 जून को बालासोर से वापस लौट गई थी। मगर सोमवार को अचानक बालासोर पहुंची और सिग्नल खए को परिवार समेत गायब पाने के बाद उसके घर को सील कर दिया। बता दें कि, सिग्नल जेई का काम सिग्नल उपकरण, ट्रैक सर्किट, प्वाइंट मशीन और इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना, रखरखाव और मरम्मत का ध्यान रखना होता है। स्पष्ट शब्दों में कहें तो ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में सिग्नल जेई की भूमिका बेहद अहम होती है।

संक्षिप्त समाचार

बिहारः हीटवेव के कारण भोजपुर में पिछले 5 दिनों में 50 लोगों की मौत

भोजपुर/एजेंसी। भोजपुर में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है. जिले में लू लगने से पिछले पांच दिनों में लगभग 50 लोगों की मौत की खबर है. वहीं कई लोग जिले के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं. इधर जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बहुत ज्यादा जरूरत ना हो तो घर से बाहर नहीं निकलें. बताया जाता है कि पिछले पांच दिनों में सदर अस्पताल में इलाज के दौरान 45 लोगों की मौत हुई है. वहीं लावारिस हालत में 5 शव बरामद किए गए हैं. जिसे स्थानीय थाना द्वा–रा पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया. इस तरह भोजपुर में पिछले 5 दिनों में लू लगने से 50 लोगों की मौत हो चुकी है.

भीषण गर्मी और लू ने लोगों को परेशान कर दिया है. बिहार में गर्मी का प्रकोप प्रचंड होता जा रहा है. गर्मी के साथ ही बढ़ते हीटवेव ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. बिहार के कई हिस्सों में तापमान 42 डिग्री पार कर चुका है. इस गर्मी से कई लोग दम भी तोड़ रहे हैं. इस साल गर्मी पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ रही है. बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हीटवेव की चपेट में आ रहे हैं.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
63,384.58+466.95 (0.74%)

निफ्टी
18,826.00+137.90 (0.74%)

महाकुंभः श्रद्धालुओं के लिए रेलवे चलाएगा 800 स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियां तेजी से शुरू हो गई। कुंभ भले ही 2025 में लगने जा रहा है। लेकिन भारतीय रेलवे ने दो साल पहले ही तैयारियां शुरू कर दी है। रेलवे की योजना है कि इस दौरान महाकुंभ मेले के लिए 800 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। इसमें खास बात यह है कि यह ट्रेन केवल प्रमुख स्नान पर्व के लिए ही उपलब्ध होंगी।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, कुंभ स्पेशल ट्रेन शुरू होने से देश भर से श्रद्धालुओं को धर्म नगरी प्रयागराज में आने-जाने में सुविधा और सहूलियत होगी। हाल ही में महाकुंभ की तैयारियों को लेकर रेल मंत्री ने अफसरों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में स्टेशन की व्यवस्थाओं से लेकर ट्रेनों की मौजूदा स्थिति को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। महाकुंभ के लिए उत्तर-मध्य रेलवे को नोडल बनाया गया है। यह प्रयागराज में उत्तर रेलवे व पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से संचालित होने वाली सुविधा व महाकुंभ को लेकर चल रही योजनाओं की निगरानी व अगुवाई भी कर रहा है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, छिवकी, नैनी, पूर्वोत्तर रेलवे के राम बाग एवं उत्तर रेलवे के प्रयागराज संगम, प्रयाग व फाफामऊ रेलवे स्टेशन से महाकुंभ से संबंधित यात्री सुविधाओं का संचालन किया जाएगा।

नंदन नीलेकणि ने आईआईटी बॉम्बे को 315 करोड़ रुपये की राशि दान दी

नई दिल्ली/एजेंसी।

इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि ने संस्था के साथ अपने जुड़ाव के 50 साल पूरे होने पर अपने अल्मा मेटर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे को 315 करोड़ रुपये का दान दिया है. नीलेकणी ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री के लिए 1973 में संस्थान में प्रवेश लिया था. इस दान का उद्देश्य विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और आईआईटी बॉम्बे में एक गहन तकनीकी स्टार्टअप को पोषित करना है.

यह योगदान भारत में एक पूर्व छात्र द्वारा किए गए सबसे बड़े दान में से एक के रूप में भी है. इंफोसिस के सह-अध्यक्ष नीलेकणी ने कहा, ''आईआईटी-बॉम्बे मेरे जीवन की आधारशिला रहा है, मेरे प्रारंभिक वर्षों को

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

पिकअप वैन ने मारी ट्रक को ठोकर, पिकअप वैन के चालक खलासी की घटनास्थल पर मौत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका पाकुड़ मुख्य मार्ग स्थित आमतल्ला गांव के पास दर्दनाक सड़क हादसे में 2 की मौत हो गयी. पाकुड़ की दिशा से आ रहे आम लदे पिकअप ने आगे चल रहे ट्रक में जबरदस्त टक्कर मार दी. टक्कर कितनी जबरदस्त रही होगी,इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि, पिकअप वाहन के बर्नट का पूरा हिस्सा ट्रक के पीछे घुस कर पूरा चिपटा हो चुका था. इस दर्दनाक दुर्घटना में पिकअप वाहन के चालक व खलासी की मौके पर ही दब कर मौत हो गयी.

सियालदह गोड्डा मेमो पैसेंजर ट्रेन का पिनरगड़िया में ठहराव नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका रामपुरहाट रेल मार्ग के पिनर गढ़िया स्टेशन पर सियालदह गोड्डा मेमो पैसेंजर ट्रेन के ठहराव की मांग को लेकर मंगलवार की शाम बड़ी संख्या में ग्रामीणो ने पिनरगड़िया रेलवे स्टेशन पहुंचकर आक्रोश जताया।ज्ञात हो कि यह ट्रेन रामपुरहाट रेलवे स्टेशन से खुलने के बाद सीधे दुमका में रूकती है। यह ट्रेन पिनरगड़िया स्टेशन पर नहीं रुकती है। पहले भी यहां के ग्रामीणों ने ठहराव की मांग को लेकर विरोध करते हुए मांग की थी कि यहां पर इस ट्रेन का ठहराव दिया जाए,लेकिन इस ट्रेन का अभी तक ठहराव नहीं दिया गया है। मंगलवार की शाम पिनर गढ़िया में इस ट्रेन को रोकने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण जमा हुए, लेकिन स्टेशन मास्टर द्वारा काफी समझाने बुझाने तथा उनके आवेदन को लेकर उच्च अधिकारियों से ठहराव के लिए कार्रवाई हेतु आश्वासन देने के पश्चात ग्रामीणों ने ट्रेन को नहीं रोका। मंडल रेल प्रबंधक हावड़ा डिवीजन को एक लिखित मांग पत्र पिनरगड़िया स्टेशन मास्टर को सौंपा गया। मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद सज्जाद मियां,समीर अंसारी,जमरूद्दीन अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग में बहुत सारे स्टेशन हैं जहां एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव है। पिनर गढ़िया के साथ साथ हरिनसिंघा,शिकारीपाड़ा, बरमसिया एवं पुरवा में इसका ठहराव नहीं दिया गया है जिससे क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश है।

एनजीटी के आदेश की अवहेलना कर किया जा रहा है बालू का भंडारण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। टोंगरा थाना क्षेत्र के बांसकुली गांव में बालू का अवैध भंडारण जारी हैं। मामले में झमुमो कार्यकर्ता अशोक गोराई ने बताया हैं कि यहाँ बांसकुली मौजा में अभिजीत सिंह,पप्पू सिंह अनूप जोशी,शोभा जोशी,दिलीप जोशी एवं गोपाल जोशी द्वारा खेतिहर जमीन का अवैध हस्तांतरण कर निर्माण कार्य कराया जा रहा हैं। अशोक ने बताया कि उक्त जमीन पर सिद्धेश्वरी नदी के बिलकांदी घाट से बालू का उठाव कर अबैध रुप से भंडारण किया जा रहा है।अशोक ने बताया हैं कि यहां नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश की अवहेलना कर बालू का भंडारण किया जा रहा है हैं ।जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन बेखबर हैं।

मनीषा की हत्या के लिए कॉन्ट्रैक्ट किलर का लिया गया था सहारा, 2 लाख में दी गयी थी सुपारी, 3 गिरफ्तार, बाकी की तलाश जारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपराजधानी दुमका के हँसडीहा में मनीषा जायसवाल हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा दी है। मामले में पुलिस ने तलाकशुदा मनीषा जायसवाल के प्रेमी जयप्रकाश मण्डल उर्फ प्रकाश मण्डल की पत्नी आशा देवी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया।

मनीषा की हत्या में कॉन्ट्रैक्ट किलर का सहारा लिया गया था और उसकी हत्या की सुपारी देनेवाली जयप्रकाश मण्डल की पत्नी आशा देवी निकली। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक हरे रंग की चारपहिया वाहन भी बरामद किया है जिसका इस्तेमाल मनीषा की हत्या के दौरान किया गया था। हाल के दिनों में हँसडीहा में कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का यह दूसरा मामला है और दोनों मामलों में हत्या की सूत्रधार महिला ही निकली।

हँसडीहा थाना में मनीषा हत्याकांड का खुलासा करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवेंद्र ने कहा कि मनीषा हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। दरअसल बीते रविवार की सुबह हंसडीहा थाना की पुलिस ने चोरबटिया गांव के समीप एक बंद पड़े पत्थर खदान से एक महिला का शव बरामद किया था। महिला की हत्या गोली मारकर की गई थी। शव के समीप कई समान बरामद हुआ था जिसके आधार पर उसकी पहचान मनीषा के रूप में हुई थी। मनीषा मूल रूप से बिहार के भागलपुर जिला की रहने वाली थी और उसकी शादी हंसडीहा निवासी विनोद जायसवाल के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे हुए। इसके बाबजूद दाम्पत्य जीवन मे बराबर तकरार होने की वजह से दिसम्बर 2022 में दोनों का तलाक हो गया। कोर्ट के आदेश पर दोनों बच्चे पिता के साथ रहने लगे और मनीषा अपने जीविकोपार्जन के लिए दुमका में रहकर ब्यूटी पार्लर चलाने लगी।इस दौरान मनीषा की दोस्ती सरैयाहाट थाना के चरकापाथर निवासी जयप्रकाश उर्फ प्रकाश मंडल से हो गयी। शादीशुदा जय प्रकाश और मनीषा के बीच की दोस्ती प्यार में बदल गया और दोनों के बीच अवैध संबंध बन गया। एक बार जब संबंध बना तो इसका सिलसिला शुरू हो गया। पुलिस के खुलासे के मुताबिक जय प्रकाश की पत्नी को जब इसका पता चला तो उसने उस अवैध संबंध का विरोध शुरू कर दिया। पत्नी आशा के विरोध का पति जय प्रकाश और मनीषा पर कोई असर नहीं पड़ा। उल्टे जय प्रकाश मनीषा को लेकर अपने घर पहुचने लगा।दोनों को साथ देख आशा और उसके परिजनों ने जय प्रकाश और मनीषा को समझाने का हर संभव प्रयास किया। जय प्रकाश ने यहां तक कह दिया कि दोनों ने शादी कर ली है और मनीषा गर्भवती है।

फिर यहीं से शुरू हुआ मनीषा की हत्या की योजना। जयप्रकाश मण्डल की पत्नी आशा देवी अपने पति के बाहों में दूसरी महिला को झूलते देख सहन नहीं कर पायी। आशा ने मनीषा को अपने रास्ते से हटाने के लिए कॉन्ट्रैक्ट किलर का सहारा लिया और फिर दो लाख रुपये में मनीषा की हत्या की सुपारी दी गयी। योजना के अनुरूप कॉन्ट्रैक्ट किलर और आशा के परिजन दुमका पहुच कर मनीषा को विश्वास में लेकर एक चारपहिया वाहन से हंसडीहा के लिए चले। रास्ते मे ही कॉन्ट्रैक्ट किलर ने गोली मार कर मनीषा की हत्या कर दी और शव को बंद पड़े पत्थर खदान में फेंक दिया। घटना के बाद जरमुंडी एसडीपीओ शिवेंद्र के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने इस हत्या कांड में जयप्रकाश की पत्नी आशा देवी, पीताम्बर मंडल और मुनताज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने कहा कि इस हत्याकांड में कुछ और लोगों की संलिप्तता है, जिसकी गिरफ्तारी का प्रयास जारी है। जबकि पुलिस ने जयप्रकाश को पूछ ताछ के बाद छोड़ दिया।ज्ञात हो कि कुछ महीने पूर्व हंसडीहा की एक महिला मुखिया ने कॉन्ट्रैक्ट किलर के सहारे एक जनप्रतिनिधि की हत्या करवा दी थी। वैसे उस मामले के आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।मौके पर हँसडीहा के सर्किल इंस्पेक्टर संजय सुमन, थाना प्रभारी रोहित कुमार, रामगढ़ थाना प्रभारी अरविंद कुमार, सरैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार, पुअनि सचिन मिश्रा, खुर्शीद आलम, आनंद कुमार साहा सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कई कार्यक्रम होंगे आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त ने कहा कि दुमका सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत- घासीपुर के घासीपुर ग्राम को आयुष ग्राम के रूप में चयन करते हुए 21जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उक्त ग्राम में किया जाएगा। ₹अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस₹ के सफल आयोजन हेतु जिला स्तर पर यह कार्यक्रम 21जून को प्रखंड- दुमका के ग्राम- घासीपुर में प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। उन्होंने निदेश दिया कि पुलिस अधीक्षक, दुमका, अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका, सिविल सर्जन, दुमका, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, दुमका, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, दुमका, जिला शिक्षा पदाधिकारी, दुमका, जिला शिक्षा अधीक्षक, दुमका, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, दुमका, जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, दुमका कृपया उक्त योग शिविर कार्यक्रम में छात्र / छात्राएँ एनसीसी कैडेट्स, पुलिस कर्मी, सहिया / एएनएम/ अन्य स्वास्थ्य कर्मी, जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करायेंगे एवं स्वयं भी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहेंगे। जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी, दुमका उपरोक्त के अतिरिक्त योग शिक्षक की प्रतिनियुक्ति कार्यक्रम स्थल पर सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी, दुमका / जिला शिक्षा अधीक्षक, दुमका अपने स्तर से सभी प्रधानाध्यापकों (निजी विद्यालयों सहित) को निर्देशित करेंगे कि 21 जून के पूर्व अपने-अपने विद्यालयों में योग उत्सव तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं को योग की महत्ता एवं आम जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी जाय। इस कार्यक्रम में एन वाई के एस,एन एस , आर डब्ल्यू ए एस से भी सहयोग प्राप्त किया जाय। जिला नजारत उप समाहर्ता, दुमका प्रखंड- दुमका के ग्राम- घासीपुर में आयोजित कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे। इसके निमित्त स्टेज, माईक सिस्टम, जेनरेटर, प्रशिक्षणार्थियों के बैठने हेतु दरी, अल्पाहार आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे।

पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित हुए जैक सदस्य अजय कुमार गुप्ता

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी फ्लोरिडा यूएसए ने झारखंड की उपराजधानी दुमका से झारखंड अधिविध परिषद (जैक) के सदस्य अजय कुमार गुप्ता को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए (पीएचडी) डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी में यूनिवर्सिटी द्वारा वर्चुअल रूप से पीएचडी की मानद उपाधि से सम्मानित किया है।यह सम्मान रेनबो चैरिटी यूनिवर्सल ट्रस्ट और सोशल अवेयरनेस एंड पीस यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वाधान में गाजियाबाद में आयोजित 18 जून को प्रतिभा सम्मान समारोह 2023 में दिया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस जयवीर सिंह आर्य, विशेष अतिथि के रूप में श्रीधर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर एवं आम आदमी पार्टी के एमएलए विरेंद्र दत्त मौजूद थे। यहां बता दे की डॉ अजय कुमार गुप्ता प्लस टू जिला स्कूल से सेवानिवृत्त प्राचार्य है। पीएचडी में इनका विषय इनोवेटिव एजुकेशन रिसर्च एंड सोशल सर्विसेज है।ज्ञात हो कि मानद उपाधि किसी व्यक्ति को उसके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने एवं समाज में बेहतरीन योगदान देने के लिए दी जाती है।

बासुकीनाथ शिवगंगा सरोवर स्थित पाताल कुंड के पाताल बाबा ने एक महीने तीन दिन के बाद ले ली जल समाधि

- **श्रद्धालुओं के आस्था के केंद्र पाताल महादेव की एक महीने से भी अधिक अवधि तक लाखों श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना एवम श्रृंगार पूजा**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। श्रद्धालुओं के आस्था के केंद्र बाबा बासुकीनाथ के शिवगंगा सरोवर स्थित पाताल कुंड के पाताल महादेव ने सोमवार मध्य रात्रि को एक महीने तीन दिन के बाद जल समाधि ले ली। सोमवार की रात्रि श्रद्धालुओं ने पाताल बाबा की अंतिम पूजा अर्चना और श्रृंगार पूजा कर उनसे अपने परिजनों के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।ज्ञात हो कि झारखंड,बिहार,उत्तर प्रदेश,पश्चिम बंगाल से आए लाखों श्रद्धालुओं सहित स्थानीय नगर निवासियों ने एक महीने तक पाताल बाबा की पूजा अर्चना की।लगभग दस वर्ष बाद श्रद्धालुओं को पाताल बाबा का दर्शन पूजा करने का मौका मिला। मंगलवार को पाताल महादेव की पूजा अर्चना करने आए श्रद्धालुओं को तब निराशा हाथ लगी जब उन्होंने पाताल बाबा को जल समाधिस्थ देखा।सबसे ज्यादा पछतावा और निराशा उन श्रद्धालुओं को हुई जो सोमवार की रात्रि में बासुकीनाथ आकर धर्मशाला में ठहरे थे। मंगलवार को प्रातःजब वे पाताल कुंड पूजा के उद्देश्य से पहुंचे तो पाताल बाबा को जल समाधि में देखा।उन्हें लबालब भरे हुए पाताल कुंड के पानी में ही पूजन सामग्री डालकर संतोष करना पड़ा ' सोमवार की रात्रि को कई स्थानीय पंडा पुरोहितों सहित मंदिर प्रभारी सह बासुकीनाथ नगर पंचायत प्रशासक आशीष कुमार ने पाताल कुंड के पाताल महादेव की पूजा अर्चना कर श्रृंगार पूजा की।

9 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से योगाचार्यों को किया गया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्येश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है और विश्व के सभी लोगों को एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रोत्साहित करना है।जिससे लोग शारीरिक एवं विशेषकर मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। आजकल की भागदौड़ की मशीन वाली जिंदगी में लोगों का शारीरिक कार्य लगभग न के बराबर हो गया है जिससे लोग तरह-तरह की बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं।जिसका बिना साइड इफेक्ट का एकमात्र उपाय है -योग। जिसे पूरे विश्व ने आत्मसात कर लिया है और हमारे प्राचीनतम विधा को मान्यता देकर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित कर दिया है।इस वर्ष की थीम भी है - वसुधैव कुटुम्बकम्। इसी थीम के अनुरूप योग दिवस की पूर्व संध्या पर ब्रह्माकुमारी संस्थान में आज योग गुरू संतोष गोस्वामी एवं राजीव कुमार साह के मार्ग दर्शन में ओम् शांति भवन में प्रातः 7:30 बजे से 8:30 तक योग क्लास का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के भाई-बहनों और जतीन कुमार एवं कारमेला केरकट्टा ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और योगाचार द्वय द्वारा दण्डासन,वज्रासन,मण्डुकासन, सशांकासनकपाल,सूक्ष्मव्यायाम, अनुलोम-विलोम,कपालभाति, भ्रामरी आदि आसनों की व्यवहारिक जानकारी दी गई।साथ ही योग के लाभ के बारे मे विस्तार से बताया गया।

संस्था प्रमुख बी के जयमाला ने योग दिवस की पूर्व संध्या पर कहा कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग सबों के लिए बहुत फायदेमंद है।यह कई बीमारियों से हम सबों को न केवल बचाता है अपितु कई असाध्य बीमारियों को ठीक भी करता है।इसलिए मन और शरीर की शांति के लिए भी रोजाना योग करना चाहिए। योग हमारी भारतीय संस्कृति का अहम् हिस्सा है और प्राचीनकाल से योग का हमारे जीवन में बहुमूल्य योगदान है।यही वजह है कि योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हम सब हर वर्ष 21 जुन को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं।इस अवसर पर योग गुरू संतोष गोस्वामी एवं राजीव कुमार साह को बी के जयमाला ने अंगवस्त्र और लक्ष्मी-नारायण की मूर्त्ति देकर सम्मानित किया।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

शिक्षा का बाजारीकरण और महंगी शिक्षा को रोकने की जरूरत अन्यथा गरीब बच्चों की प्रतिभाएं चकनाचूर होती रहेंगी

झारखण्ड देखो डेस्कः

एक सवाल जो हमारे गरीब तबके स्तर के विद्यार्थियों के मन में और उनके अभिभावकों के मन में सवाल घर कर रहा है की आखिर क्यों भारतीय शिक्षा की नई प्रणाली अर्थ तंत्र का पूर्णत शिकार होती जा रही है शिक्षा व्यवस्था का निजीकरण,औद्योगिकरण और व्यवसायीकरण होता जा रहा है,भारतीय जनता का मौलिक अधिकार है शिक्षा....मगर कहीं न कहीं धीरे-धीरे इसकी मौलिकता खत्म होती जा रही है,सभी प्रकार के शिक्षण संस्थान संवेदनहीन होते जा रहे हैं।हाल के विगत कुछ वर्षों में शिक्षा व्यवस्था का बड़ा बाजार भारत में खड़ा हो गया है.....

मूल रूप से व्यक्ति और व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास शिक्षा पर आधारित होता है जिससे सामाजिक संरचना का उत्थान और किसी देश के विकास में मुख्य भूमिका अदा करते हुए विकसित समाज पैदा करता है ।भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग गरीबों और वंचितों का है, जिसमें जहां बेशक बहुत प्रतिभाएं हैं मगर वह इसलिए आगे नहीं आ पाते हैं क्योंकि गैर बराबरी आर्थिक स्थिति और महंगी शिक्षा व्यवस्था के साथ कदमताल कर सके... और प्रतिभाएं धीरे धीरे धूमिल हो जाती है....और आगे बढ़ने की क्षमता दम तोड़ देती हैं

केंद्र और राज्य सरकारों को शिक्षा प्रणाली की ओर काफी संवेदनशील होना चाहिए,एक उचित रोड मैप बनाना चाहिए और कमोबेश सम्पूर्ण शिक्षा शुल्कों को, किताबों को निशुल्क कैटेगरी में डालना चाहिए,जहां अमीर से लेकर गरीब तक सभी वर्ग के व्यक्ति यह कह सकते हैं कि कम आय व का व्यक्ति भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं,और अपनी योग्यता के आधार पर अपने कार्य क्षेत्र का चुनाव कर सके और अपनी कार्य योग्यता से देश और समाज का विकास कर सकें और अपनी योग्यता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

डॉ. राकेश कुमार दास
सिदो कान्हू मुर्मू विवि, दुमका

भारत के मौजूदा हालात में मध्यमवर्गीय वर्ग और निम्न वर्गीय वर्ग महंगी हो रहे शिक्षण संस्थानों में बच्चों का दाखिला नहीं करवा सकते हैं, वह केवल उच्च आर्थिक वर्ग के शिक्षा का हिस्सा बनता जा रहा है... धन के अभाव में बहुत प्रकार की प्रतिभाएं दम तोड़ रही हैं.... महंगी शिक्षा और महंगे कोचिंग संस्थान बाजार भारत में पूर्ण व्यवस्थित है, ऐसे बाजारों में शिक्षा खरीदना सब कुछ दांव लगाने के बराबर साबित हो रहा है।कई अभिभावक अपने बच्चों की महंगी शिक्षा को लेकर इतने चिंतित रहते हैं कि वह अपनी सारी जमापूंजी इन्हीं संस्थानों के पास गवाना पड़ रहा है।

शिक्षण संस्थान और यूनिवर्सिटीज अपना अस्तित्व और विश्वास खोती जा रही है,इसका सबसे बड़ा कारण कि उसको चलाने वाले मंत्री,अधिकारी और कर्मचारी खुद अपने बच्चों को ऐसे संस्थानों में दाखिला करवाना नहीं चाहते हैं और कतराते नजर आते हैं.... जबकि इनलोगों को चाहिए की व्यवस्था में जुड़े लोग जिस जगह, जिस वार्ड, जिस शहर से आते हैं उसी में उनके बच्चों का दाखिला होना चाहिए... तब निश्चित ही शिक्षा व्यवस्था ताकतवर होगी और बराबर शिक्षा व्यवस्था संचालन हो सकेगा।

आशा करता हूं कि कोई सरकार ऐसी हो जो सभी शिक्षण संस्थानों के बढ़ते शुल्क,लूट तंत्र पर और महंगे हो रहे बच्चों की पुस्तकों और कॉपियों पर अंकुश लगाने का कार्य करेगी शिक्षा को सस्ता मौलिक अधिकार बनाएगी... शिक्षा को बाजार बाजारू और बेआबरू होने नहीं देगी, किताब,कॉपी,कलम, पेंसिल,कागज, कंप्यूटर्स इत्यादि जितने भी शैक्षणिक इंस्ट्रूमेंट है, इन पर जीएसटी कम हो और यह सस्ती हो,ऐसी भी प्रयास राज्य सरकारो और केंद्र सरकारों को मूल रूप से करनी चाहिए।इन सभी चीजों पर जीएसटी लगाकर कहीं ना कहीं आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए एक समस्या खड़ी हो गई है,साथ सरकारी विद्यालयों, सरकारी विश्वविद्यालयों को नामांकन और परीक्षा शुल्क के बारे में विचार करना चाहिए जिससे लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन ना हो और मानवीय मूल्यों का संरक्षण हो सके।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन कर भाजपा ने केंद्र सरकार की गिनाई उपलब्धियां

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्षय में सम्पूर्ण भारत वर्ष में 30 मई से 30 जून तक महा जनसंपर्क अभियान का कार्यक्रम चला रही है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिला कार्यालय पाकुड़ में पाकुड़ विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन विधानसभा की संयोजिका मीरा प्रवीण सिंह के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। लाभार्थी सम्मेलन में भाजपा जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय, कार्यक्रम प्रभारी निवर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, बलराम दुबे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, प्रसन्ना शंकर मिश्रा सहित कार्यक्रम में लाभार्थी माया दास,वीणा रविदास, राजेश्वरी दास,माया सरकार, राजेश्वरी सरकार,सीता देवी, सुषमा राय, कन्हैया रजक शम्भू राय सहित सैकड़ों की संख्या में लाभार्थी व भाजपा के शयामल गोस्वामी,सुशील साहा,मंडल अध्यक्ष पंकज कुमार साह, प्रणव सिंह,अरुण चौधरी, मनोरंजन सरकार, बहादुर मंडल, नीपु सरदार, बबलू तुरी, प्रवीण मंडल, शबरी पाल, प्राची चौधरी, असीम मंडल, पार्थ रक्षित, गणेश रजक,आलिम शेख, मधुसूदन साहा, रूपेश भगत, पवन भगत भुट्टु कुनाई आदि मौजूद थे ।

हिरणपुर में हर्षोल्लास साथ निकला भगवान जगरनाथ की रथयात्रा, लगी मेला

हिरणपुर(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। हिरणपुर में रथ यात्रा भक्ति श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ की जय कारा के साथ हिरणपुर बाजार में निकला, जो सुंदरपुर से होते हुए नामोपाड़ा, कृष्ण मंदिर, मेन रोड होते हुए लक्ष्मी मंदिर से रविंद्र नाथ टैगोर चौक से भ्रमण करते हुए पुराना डाक बंगला मैं विश्राम करेगा. मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि भगवान जगरनाथ 8 दिन तक अपने मौसी बाड़ी में विश्राम करेंगे। वही रथयात्रा के उपलक्ष में हिरणपुर में भव्य मेला का भी आयोजन हुआ, मेला में बच्चों के खरीदारी के समान तो थे ही, मिठाइयों के अलावा आम, कटहल आदि की बिक्री भी लोगों ने किया वहीं मेले में आए हुए लोगों ने जमकर खरीदारी भी किया. जानकारी के अनुसार हिरणपुर में रथयात्रा का शुरुआत लगभग 70 साल पहले स्वर्गीय प्रभात सेन द्वारा किया गया था, बताया जाता है प्रभात सेन का कोई पुत्र नहीं था, अतः पुत्र प्राप्ति के लिए भगवान जगन्नाथ से मनत किए तत्पश्चात उन्हें पुत्र प्राप्त हुआ तब से हिरणपुर में रथयात्रा का शुरुआत हुआ, जो पीढ़ी दर पीढ़ी रथ यात्रा को जारी रखे हैं, वर्तमान में स्वर्गीय प्रभात सेन के पोता दीनू सेन द्वारा आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं रहने के बावजूद सामाजिक सहयोग से इस परंपरा को जारी रखा है, उन्होंने कहा रथ यात्रा आगे भी सब के सहयोग से चलता ही रहेगा। दीनू दे, प्रकाश दे, मोहन दे आकाश भगत, जबरदाहा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेश हेंब्रम, जबरदाहा पंचायत समिति सदस्य विकास दास, रोशन सोरेन आदि के सहयोग से रथ यात्रा भव्य तरीके से निकाला गया।

प्रसिद्ध हरिणा मेला के पूजा में शामिल हुए पूर्व विधायक एवं झारखंड भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी

पोटका । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** पोटका प्रखंड के प्रसिद्ध हरिणा मेला के विगत सात दिनों से मुक्तेश्वर धाम में चल रहे पूजा का आज आखिरी दिन में पूर्व विधायक सह झारखंड भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी तथा पूर्व जिला परिषद सदस्य सुदीप्तो देराणा पूजा करने पहुंचे।

कुणाल षाड़ंगी ने बाबा का पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना किए। मौके पर पूर्व मुखिया मधु नायक, पोटका मंडल अध्यक्ष सुदीप देे, पोटका मंडल उपाध्यक्ष रतन सोनकर, कमल नायक, समेत अनेकों युवा साथी तथा हजारों श्रद्धालु उपस्थित थे।

सदर अस्पताल , चाईबासा के आपातकालीन कक्ष में भी एंटी रेबीज वैक्सीन रखा जाए : त्रिशानु राय

चाईबासा : (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सदर अस्पताल , चाईबासा के आपातकालीन कक्ष में भी जनहित में एंटी रैबीज वैक्सीन रखे जाने की मांग को लेकर प०सिंहभूम जिला बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य सांसद प्रतिनिधि त्रिशानु राय ने मंगलवार को असैनिक शल्य चिकित्सक -सह- मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र लिखा है । पत्र में त्रिशानु राय ने कहा कि एंटी रेबीज वैक्सीन ओपीड़ी में तो उपलब्ध रहता है , किंतु आपातकालीन कक्ष में एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं रहने की स्थिति में स्थानीय लोगों को दो- चार होकर मजबूरन बाहर से वैक्सीन अन्यत्र क्रय करना पड़ता है । उस स्थिति में विशेषकर आर्थिक स्थिति से असक्षम स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती है । सदर अस्पताल , चाईबासा पूरे प०सिंहभूम जिले के लिए संजीवनी है । सदर अस्पताल , प्रबंधन की भी उदासीनता इस संदर्भ में दृष्टिगोचर होती है ।

प्रबंधन को यह चाहिए स्थानीय लोगों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखे पर इस संदर्भ में पूरी उदासीनता बरती जा रही है ।

रविवार , दिनांक :18/06/2023 को चाईबासा के स्थानीय निवासी रवि कुमार मिश्रा को स्वान ₹ डॉग ₹ के द्वारा रात में काट लिया जाता है , वो वैक्सीनेशन के लिए सदर अस्पताल , चाईबासा पहुँचते है तो उन्हें आपातकालीन कक्ष में वैक्सीन अनुपलब्ध नहीं होने की बात कहा जाता है । जिसके बाद मजबूरन उनको वैक्सीनेशन अन्यत्र सःशुल्क करवाना पड़ा है । इसलिए सदर अस्पताल चाईबासा , के आपातकालीन कक्ष में भी एंटी रेबीज वैक्सीन रखा जाए ।

राज्यपाल के संभावित कार्यक्रम स्थल चयन को लेकर डीसी ने किया निरीक्षण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़): राज्यपाल के संभावित कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को उपायुक्त वरुण रंजन जिले के कई अधिकारियो के साथ प्रखंड स्थित मांझी विजय मरांडी स्टेडियम का निरीक्षण किया।उपायुक्त डीडीसी साहिद अख्तर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, स्थापना उपसमाहर्ता विकास त्रिवेदी, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन कुमार व बीडीओ संजय कुमार के साथ बड़ा घघरी पंचायत भवन का निरीक्षण किये। ततपश्चात धरमपुर मोड़ के प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय परिसर स्थित फुटबाल मैदान का मोआयना किये। उसके बाद जिला प्रशासन की टीम सोनाधनी गांव में स्थित सांस्कृतिक व कला केंद्र के भवन का निरीक्षण किये। उपायुक्त ने कला केंद्र के भवन का रंग रोगन को देखे और भवन का फर्श का ढलाई उखड़ा हुआ था जिसपर उपायुक्त का नजर पड़ते ही भड़क गए और उपस्थिति डीडीसी को सम्बन्धित एजेंसी पर जांच कर करवाई करने का निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा यहाँ के एजेंसी मजाक बनाकर रखा है, महज पांच छ वर्ष में भवन का फर्स कैसे टूटेगा। इसकी जाँच होनी चाहिए। ततपश्चात जिला प्रशासन की टीम लिट्टीपाड़ा के मांझी विजय मराण्डी स्टेडियम पहुँची और स्टेडियम का निरीक्षण कर अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के लिए रवाना हो गए। जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी ने बताया कि महामहिम राज्यपाल के कार्यक्रम को लेकर स्थल का चयन के लिए जगह देखी जा रही है। अभी तक स्थल का चयन नही हो पाया है। स्थल का चयन होते ही कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध करा दिया जाएगा।

राज्यपाल के आगमन को लेकर डीसी ने सभा स्थल का लिया जायजा

- तैयारी को लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। राज्यपाल के पाकुड़ आगमन को लेकर डीसी वरूण रंजन ने सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिले के लिट्टीपाड़ा और अमड़ापाड़ा प्रखंड के विभिन्न मैदानों का जायजा लिया। इस क्रम में उपायुक्त ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड के धर्मपुर पंचायत भवन, सोनाधानी कला एवं संस्कृति केंद्र, सोनाधानी सचिवालय का निरीक्षण किया। वहीं अमड़ापाड़ा प्रखंड के पाडेरकोला प्लस टू विद्यालय व डुंमरचीर गांव के मैदान का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों को तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने बताया कि माननीय राज्यपाल महोदय का पाकुड़ में आगमन संभावित है। राज्यपाल महोदय स्थानीय ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे। साथ ही लाभुकों के बीच परिसंपत्ति व योजनाओं के स्वीकृति पत्र का वितरण करेंगे। इसके अलावा राज्यपाल महोदय द्वारा गुतगलांग ट्रस्ट द्वारा बोरा निर्माण कार्य का भी जायजा लेंगे। इस भ्रमण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त मो. शाहिद अख्तर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, स्थापना उप समाहर्ता विकास त्रिवेदी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी लिट्टीपाड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमड़ापाड़ा सहित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं का आन द स्पॉट समाधान

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः सोमवार रात्रि को महेशपुर प्रखंड के गायबथान पंचायत, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के कुंजबोना पंचायत, पाकुड़िया प्रखंड के फूलझिंझरी पंचायत,सदर प्रखंड पाकुड़ के पृथ्वीनगर पंचायत एवं हिरणपुर प्रखंड के मोहनपुर पंचायत में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला स्तरीय/ प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. रात्रि चौपाल में जिला स्तरीय/ प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण सजग रहकर राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तथा खुद लाभान्वित होकर ओरों को भी प्रेरित करें। चौपाल में पेयजल की समस्या, बीपीएल में नाम जुड़वाने, पेंशन, राशन वितरण, बिजली, स्कूल में पठन पाठन, स्वास्थ से संबंधित मनरेगा, म्यूटेशन आदि योजना से संबंधित समस्याएं रखी। जिस पर जिला स्तरीय पदाधिकारीयों ने ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी समस्याओं का समाधान कर उन्हें रिर्पोट पेश करें।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारी ने जूट फसलों का किया क्षेत्र भ्रमण

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सहायक निदेशक ए अंसारी, पटसन विकास निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा उत्पादित जूट फसलों का क्षेत्र भ्रमण पाकुड़ सदर प्रखंड के गंधाईपुर पंचायत के हरीगंज गांव, नवादा पंचायत के हरिहरा, रघुनंदनपुर पंचायत के चांचकी तथा पृथ्वीनगर पंचायत के सीतेशनगर गांव भ्रमण किया गया। श्री ए अंसारी के द्वारा जूट फसलों की वर्तमान स्तिथि का जायजा लिया गया और किसानों से वार्तालाप कर फसल उत्पादन से संबंधित नवीन तकनीकी को अपनाने हेतु सुझाव दिया गया जिससे उत्पादन की अच्छी गुणवत्ता प्राप्त हो तथा किसानों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। विगत 20 फरवरी को राष्ट्रीय जूट महोत्सव के अवसर पर चास हाट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड एवं जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के तहत समझौता किया गया था। इसी समझौता के तहत किसानों को प्रशिक्षण, अनुदान आधारित बीज, मशीन एवं उपकरण तथा उत्पादों को खरीदने हेतु कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी के तहत जूट बीज़ उपचार, लाइन शोइंग पद्धति,सीड ड्रिल मशीन से बीज की बुवाई, साइकिल वीडर के द्वारा निराई करना इत्यादि बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक अहम जानकारी सभी किसानों को दिया गया। साथ ही साथ प्रमाणित बीज, पंक्तिवक्त तरीके से बीज की रोपाई, जूट फसल में लगने वाली रोगों की निराकरण की उपाय आदि बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। मौके पर अरविंद कुमार राय, उप परियोजना निदेशक आत्मा, जेएसएलपीएस पाकुड सदर के बीपीएम मो फैज़ आलम, रुद्र प्रताप संतरा, दर्जनों किसान एवं जुट मित्र समेत अन्य उपस्थित थे।

ब्यूटी पार्लर प्रबंधन पर तीस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शुभारम्भ

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः सदर प्रखंड के सोनाजोड़ी स्थित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा जिला प्रशासन और जेएसएलपीएस के हूनर दीदियों का ब्यूटी पार्लर प्रबंधन पर तीस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्य निदेशक आरसेटी झारखंड शशि भूषण मिश्रा, निदेशक आरसेटी पाकुड़ कृष्णा दास, जेएसएलपीएस पाकुड़ के जिला प्रबंधक (कौशल) मोहन साहा और वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक आरसेटी पाकुड़ अमित कुमार वर्धन ने संयुक्त रुप से किया। निदेशक आरसेटी झारखंड शशि भूषण मिश्रा ने दीदियों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दीदियों को आय में वृद्धि के कई उपाय बताते हुए हौसला बढ़ाए। उन्होंने स्वरोजगार के साथ ही जीवन स्तर को सुधार करने में प्रशिक्षण के महत्त्व को बताएं। जिला प्रबंधक (कौशल) मोहन साहा ने हुनर योजना के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला के 128 पंचायत के हूनर दीदियों को आरसेटी से ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण होना निर्धारित है। सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अमित कुमार बर्धन ने कहा कि वर्तमान समय में हुनरमंद होना नितांत आवशचक है। ब्यूटी पार्लर का व्यवसाय कर महिलाएं स्वालंबी बन सकती हैं। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रही हैं। दीदियों को ब्यूटी पार्लर के साथ ही विपणन, उदमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंकिंग, बीमा आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी। आज के इस कार्यक्रम में संकाय वापी दास, कार्यलय सहायक शिबू कुनाई, मोतीलाल साहा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम की प्रशिक्षक सुनीता देवी बर्मा हैं।

उप मुखिया राकेश चौबे को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मंत्री बनाए गया

जमशेदपुर । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। भारतीय जनता युवा मोर्चा जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष अमित अग्रवाल के द्वारा पूर्वी बागबेडा पंचायत के उप मुखिया, जमशेदपुर प्रखंड के वार्ड सदस्य सह उप मुखिया संघ के अध्यक्ष राकेश चौबे को जिला मंत्री बनाया गया है। इस मौके पर नवनियुक्त भारतीय जनता युवा मोर्चा जमशेदपुर महानगर के जिला मंत्री राकेश चौबे ने पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास के आवास पर जाकर आशीर्वाद ग्रहण किए। इस दौरान राकेश चौबे ने कहा कि पार्टी के द्वारा मुझे जो भी जिम्मेवारी दी गई है ईमानदारी पूर्वक उसे बखूबी निभाने का प्रयास करेंगे। जनहित में समस्याओं का समाधान कर पार्टी के संगठन को मजबूत भी बनाएंगे। जिला मंत्री बनाए जाने पर बागबेड़ा के पंचायत प्रतिनिधि सहित जमशेदपुर प्रखंड के वार्ड सदस्य सह उप मुखिया संघ के पदाधिकारीगण ने बधाई दी है।

हिन्दी दैनिक झारखण्ड देखो खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सुकुलखपिया में आयोजित मंडा पूजा में स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद हुई सम्मिलित

झारखंड की संस्कृति की पहचान है मंडा पूजा: अंबा प्रसाद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।।

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सुकुलखपिया में आयोजित मंडा पूजा में स्थानीय विधायक सुश्री अंबा प्रसाद सम्मिलित हुई । विधायक ने प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सुकुलखपिया पहुंच कर शिव भक्तों को मंडा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने मौजूद हजारों की संख्या मे शिव भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड का पारम्परिक लोकपर्व मंडा पूजा हर साल धूमधाम से मनाया जाता है यह पर्व झारखंड की संस्कृति की पहचान है तथा शिव भक्त मंडा पूजा अच्छी बारिश, खेती और समृद्धि के लिए मनाते हैं । उन्होंने आयोजन कर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि मंडा पूजा के नाम पर लोगों को एक सूत्र में पिरोए जाने का काम किया है । जिस भी ग्राम में मंडा पूजा का आयोजन होता है वहां के आसपास का पूरा वातावरण भक्तिमय एवं भगवान भोले शंकर की आशीर्वाद से परिपूर्ण होता है।

मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, मुखिया बेबी कुमारी, ,पूर्व मुखिया बिगल चौधरी,उप मुखिया सुबोध सिंह, कांग्रेस पंचायत अध्यक्ष श्याम कुमार भार्गव, राम किशोर शुक्ला, कृष्ण कुमार भार्गव, रामकृष्ण शुक्ला, प्रकाश नाथ पांडे, मिसबाह उल हक, ज्ञानी प्रसाद गुप्ता, दीपक कुमार साव, निरंजन कुमार, आकाश नाथ पांडे,वीरेंद्र शुकला, बसंत सिंह,दीपक सिंह, मदन राम, चेतलाल राम, परदेसी भुइयां, छात्रधारी साव समेत सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।

इस्पात नगरी बोकारो में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो। इस्पात नगरी में 20 जून' 2023 को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े ही धूम-धाम से निकाली गयी. विधिवत पूजा-अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं को मंदिर प्रांगण से बाहर लाया गया और रथ पर आसीन किया गया. रथ की सफाई का कार्य छेरा-पन्हारा बीएसएल के कार्यकारी निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने किया. इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (परियोजनाएँ) चित्त रंजन मोहापात्रा, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (एस.आर.यू.) पी.के. रथ, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, सी. ई. ओ. (बी. पी. एस. सी. एल.) अनिन्दा दास सहित बोकारो महिला समिति की सदस्या एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा श्रद्धालु उपस्थित थे. नगर वासियों के सम्मिलित प्रयास से रथ यात्रा जनवृत-4 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर से आरम्भ हुई. पूरे रास्ते नगरवासी तथा श्रद्धालु जन बारी-बारी से अपना योगदान देकर पुण्य अर्जन करते रहे. रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से बोकारो जनरल अस्पताल, गांधी चौक सिटी सेंटर, पत्थरकट्टा चौक तथा राम मंदिर चौक होते हुए राम मंदिर पहुंची. मार्ग में स्वयंसेवी संस्था महिला समिति, बोकारो के सदस्यों ने पानी और शरबत का वितरण किया जिसमें नगर के अन्य संस्थानों ने भी योगदान किया.

संक्षिप्त समाचार

रथ यात्रा में श्रद्धालुओं का उमड़ा भीड़

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। धधकिया स्थित सतन आश्रम में श्री श्री जगन्नाथ जी का रथ यात्रा संपन्न हुआ. शाम 5 बजे आश्रम से निकल कर आस पडोस के गाँव घूम कर फिर आश्रम वापस आया. इस यात्रा में झारखंड के पूर्व मंत्री डा लुईस मरांडी, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मंडल, जतिन कुमार, केरकेट्टा साह धधकिया, मुड़ाबहाल , जामडोली, कम्पन्नी, केसियाबाहल के आसपास के ग्रामीणों ने बड़ चढ कर हिस्सा लिया।

एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला शिक्षा पदाधिकारी दुमका के निर्देश पर स्कूल रुआर 2023 बैक टू स्कूल कार्यक्रम की सफलता के लिए बुधवार को विकास भवन जामा में एकदिवसीय प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुधा कुमारी ने बताया कि कार्यशाला में विधायक,जिला परिषद सदस्य,प्रमुख,उपप्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचलाधिकारी,बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य,पंचायत के मुखिया आदि प्रतिनिधियों को पत्र जारी कर स्कूल रुआर 2023 कार्यक्रम में लिए बुधवार को अपराह्न दो बजे आमंत्रित किया गया है।बताया कि इस कार्यक्रम के तहत पांच वर्ष से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों को पुनः विद्यालय में लाने एवं सरकार के द्वारा विद्यालय स्तर पर नियमित अभियान चलाकर बच्चों का ठहराव हासिल करने के उद्देश्य से स्कूल रुआर 2023 (बैक टू स्कूल) केंपस कार्यक्रम सम्पादित किया जा रहा है जो 16 जून से 15 जुलाई 2023 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान में विशेष रूप से प्रारंभिक विद्यालयों के बच्चे को शत-प्रतिशत उपस्थिति हेतु प्रयास किया जाएगा। बच्चों के लर्निंग लॉस के प्रति भी समुदाय को जागरूक किया जाएगा।

छठी कक्षा में एक अधिकारी का रुतबा देख शुभम ने ठानी यूपीएससी में जाने की जिद, अब बनेगा आईएफएस अफसर

कहा- दृढ़ इच्छाशक्ति और रोजाना एक घंटे अखबार पढ़ने की आदत ने दिलाई कामयाबी

यूपीएससी- सीएसई- 2022 में 41वीं रैंक पाने वाले डीपीएस बोकारो के पूर्व छात्र से खास बातचीत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सर्विस परीक्षा 2022 में अखिल भारतीय स्तर पर 41वीं रैंक पाने वाले डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के पूर्व छात्र शुभम कुमार (22) का मानना है कि कामयाबी के लिए कोई शॉर्टकट नहीं होता। अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे पाने की चाहत, दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत के साथ-साथ पढ़ाई में निरंतरता काफी महत्वपूर्ण है। इसी फार्मूले ने उसे पहले प्रयास में ही देश की सर्व-प्रतिष्ठित यूपीएससी परीक्षा में कामयाबी दिलाई। डीपीएस बोकारो में एक कार्यक्रम के दौरान पहुंचे शुभम ने एक खास बातचीत के दौरान ये बातें कही। उसने अपने विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार से भेंट की। अपने शिक्षकों से मिलकर पुरानी यादें साझा कीं और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने उसे बधाई देते हुए शॉल से अलंकृत किया और स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही, उसे उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं।

एक सवाल के जवाब में शुभम ने कहा कि किस्मत मायने रखती है, लेकिन कठिन परिश्रम तकदीर को भी मात दे सकता है। अपने गांव बिहार के मधुबनी जिलांतर्गत खुटौना में जब वह छठी कक्षा में पढ़ रहा था, उसी दौरान एक प्रशासनिक अधिकारी उसके विद्यालय में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। उस वक्त उक्त अधिकारी का रुतबा और उसके प्रति सभी का सम्मान वगैरह देखकर वह काफी प्रभावित हुआ। उसी दिन उसने ठान ली कि उसे भी आगे चलकर सिविल सर्विस परीक्षा निकालनी है और एक बड़ा अफसर बनना है। इस उद्देश्य में उसके पिता राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, लौकहा के प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार एवं माता संध्या (गृहिणी) ने शुरू से ही हर कदम पर उसका हरसंभव सहयोग किया। बड़ी बहन सॉफ्टवेयर इंजीनियर सोनाली ने भी मार्गदर्शन किया। परिजनों और शिक्षकों के सहयोग से शुभम ने अपने लक्ष्य का निरंतर पीछा किया, पूरी लगन के साथ बगैर किसी तनाव के कठिन परिश्रम करते हुए पढ़ाई में निरंतरता जारी रखी और आज परिणाम सबके सामने है। एक सवाल के जवाब में शुभम ने बताया कि यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए अपने तयशुदा विषयों के गहन अध्ययन के साथ-साथ नियमित कम से कम एक घंटा अखबार पढ़ने की आदत उसके लिए काफी सहायक रही। अखबार का संपादकीय पृष्ठ वह जरूर पढ़ा करता था। हमारे आसपास क्या चल रहा है, देश-दुनिया की क्या स्थिति है, इन सभी चीजों की पूरी जानकारी सिविल सर्विसेज जैसी परीक्षा के लिए काफी अहम है। उसने कहा कि इसके लिए नियमित पढ़ाई और आंसर राइटिंग की आदत भी जरूरी है।

- **हार को स्वीकार करना सीखें, परीक्षा में असफलता जिंदगी की विफलता नहीं**

परीक्षा में असफलता से हताश होकर गलत फैसले लेने वाले विद्यार्थियों को अपने संदेश में शुभम ने कहा कि किसी भी परीक्षा में विफल होना जिंदगी की विफलता नहीं है। जिंदगी में कांटे होते हैं। हार को स्वीकार करना चाहिए। पढ़ाई के अलावा भी बाहर की दुनिया है। अपने मन में जो उत्कंठा, जो बातें घुमड़ रही होती हैं, उन्हें अपने दोस्तों और परिजनों से साझा करनी चाहिए। यही तनाव से मुक्ति का माध्यम है। उसने बताया कि इस सिद्धांत को उसने स्वयं अपनी जिंदगी में आजमाया है और बिना किसी दबाव में आकर स्वच्छंद भाव से पढ़ाई की। परीक्षा के दौरान सभी क्रिकेट मैच देखे और आराम से कामयाबी पाई। एक अन्य सवाल के जवाब में शुभम ने कहा कि विद्यार्थी सपना जरूर देखें, लेकिन खुद का आकलन करें। यह मूल्यांकन करिए कि वह सपना पूरा करने में आप सक्षम हैं या नहीं। अपनी क्षमता और अपनी रुचि के अनुसार ही अपने करियर का चयन करें। आप जो कर सकते हैं, उस क्षमता को एक्सप्लोर करें और कड़ी मेहनत व आत्मविश्वास के साथ उसे पाने की लगन बनाए रखें। यकीनन, कामयाबी कदम चूमेगी। बता दें कि शुभम अपने गांव खुटौना ही नहीं, बल्कि उस पूरे प्रखंड का अकेला युवक है, जिसने सिविल सर्विस की परीक्षा में कामयाबी पाई है। उसने बताया कि आज उसकी जिंदगी बदल चुकी है और घर में माता-पिता, रिश्तेदार, इष्टमित्र सहित सभी काफी प्रसन्न हैं।

- **भारतीय विदेश सेवा में जाएगा शुभम, ट्रेनिंग 31 जुलाई से**

सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता के बाद अपने पसंदीदा क्षेत्र के बारे में पूछे जाने पर शुभम ने बताया कि वह भारतीय विदेश सेवा में जाएगा। आगामी 31 जुलाई से उसकी ट्रेनिंग शुरू हो रही है। मसूरी (उत्तराखंड) स्थित लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी आफ एडमिनिस्ट्रेशन में तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद क्या वह सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस में ट्रेनिंग लेगा। तत्पश्चात दो महीने तक चीनी भाषा का प्रशिक्षण लेकर वह विदेश सेवा में जाएगा। बता दें कि 10वीं की पढ़ाई पूर्णिया से करने के बाद डीपीएस बोकारो से शुभम ने 12वीं की पढ़ाई 2018 में पूरी की थी। विज्ञान संकाय (पीसीएम) के विद्यार्थी शुभम ने 94% अंक प्राप्त किया था। यहां के बाद हंसराज कॉलेज, दिल्ली में दाखिला लिया, जहां लॉकडाउन लगने के कारण लगभग डेढ़ वर्ष तक ही उसने पढ़ाई की।

डीवीसी प्रबंधन झूका, 40 घंटा बाद मजदूर का शव उठा

मृतक के आश्रित को 20 लाख मुआवजा व नियोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बोकारो थर्मल। कुरपनिया मुख्य सड़क स्थित नूरीनगर समीप डीवीसी के ऐश पौंड़ के पास एक सड़क हादसे में हुई बीटीपीएस सप्लाई मजदूर मौत के 40 घंटे बाद उसका शव मंगलवार दोपहर को वार्ता के बाद पुलिस ने उठाकर पोस्टमार्डम के लिए तेनुघाट भेजा। नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट स्थित बरई निवासी सप्लाई मजदूर कालीचरण महतो रविवार को शाम साढ़े सात बजे प्लांट से काम कर मोपेड से वापस घर लौट रहा था, उसी दौरान नुरीनगर समीप डीवीसी के ऐश पौंड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया था। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी थी। उसके बाद ग्रामीणों ने मुआवजे व नियोजन की मांग को लेकर शव के साथ सड़क जाम कर धरना पर बैठ गए थे। दुर्भाग्य से रात में बुडगड्डा की और से आ रहीं एक टैंकर ने शव को कुचल दिया था। जिसमे दर्जनों धरना में बैठे ग्रामीण बाल-बाल बच गए थे और चार बाइकों को भी रौंद दिया था। घटना की सूचना मिलने के बाद झारखंडी भाषा-खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो व मोतीलाल महतो घटनास्थल पहुंचे और मुआवजे व नियोजन की मांग पर अड़ गए। इससे पूर्व डीजीएम बीजी होलकर, एचआर सुनील महतो, थाना प्रभारी शैलेश कुमार चौहान, सुमन कुमार, मुखिया बिजय कुमार रवि, पूर्व जिप सदस्य टिकैत कुमार महतो, प्रखंडध्यक्ष मंजूर आलम के साथ दो बार वार्ता भी हुई, लेकिन वार्ता बेनतीजा रहा था। इसके बाद सोमवार की रात टाईगर जयराम महतो की इंट्री हुई, इनके साथ भी रात दो बजे तक वार्ता हुई, लेकिन मांग को लेकर डीवीसी प्रबंधन मानने से साफ इंकार कर दिया। अतंतः मंगलवार को दोपहर में डीवीसी प्रबंधन को आंदोलनकारियों के आगे झुकना पड़ा। घटनास्थलपर ही बेरमो बीडीओ मधु कुमारी व सीओ मनोज कुमार ने टाईगर जयराम महतो व मृतक के आश्रित को समझौता पत्र सौंपा। जिसमें विभिन्न योजना से 20 लाख मुआवजा व नियोजन की बात अंकित है। समझौता पत्र मिलने के बाद बोकारो थर्मल पुलिस ने मजदूर का शव धरनास्थल से उठाया और पोस्टमार्डम के लिए भेजवाया।

एसडीएम व डीएसपी घटनास्थल पर कर दिए थे कैंपः झारखंडी भाषा-खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो व मोतीलाल महतो की घटनास्थल पर पहुंचने की सूचना पर बेरमो एसडीएम अनंत कुमार, डीएसपी सतीश चंद्र झा, नावाडीह बीडीओ संजय शांडिल्य, बेरमो बीडीओ मधु कुमारी, सीओ मनोज कुमार, बेरमो थाना प्रभारी रविंद्र कुमार सिंह, बोकारो थर्मल थाना प्रभारी शैलेश कुमार चौहान, चंद्रपुरा के कार्तिक महतो, पेंकनारायणपुर के सुमन कुमार, नावाडीह के मनीष कुमार, गोमिया के राजेश रंजन, कथारा के प्रिंस कुमार सिंह, जागेश्वर-बिहार के संदीप कृष्णा, कसमार के पुअनि सहित जिले के अतिरिक्त बल घटनास्थल पर मुस्तैद थे।

बाल विवाह को रोकने में युवा पीढ़ी की भूमिका अहम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।।

बोकारो। कसमार प्रखंड के स्कूल चौक में स्थित कम्प्यूटर रेवयुलेशन सेंटर में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन व सहयोगिनी के बैनर तले मंगलवार बाल विवाह रोकने को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आरसीपीपी रांची के रीजनल इंचार्ज अरशद अली, सेवानिवृत्त शिक्षक दुर्गा प्रसाद प्रजापति व जमील अख्तर मुख्य रूप से मौजूद थे।

इस दौरान अरशद अली ने कहा कि बाल विवाह अशिक्षा का मुख्य कारण है। जबतक लोगों में जागरूकता पैदा नहीं होगी तब तक इस कुप्रथा को खत्म नहीं किया जा सकता है। इसलिए बाल विवाह जैसे अपराध को खत्म करने के लिए युवा पीढ़ी को आगे आकर इसे खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह पूरी तरह कानूनी अपराध है, अगर कोई भी अभिभावक अपनी बेटियों की शादी 18 वर्ष से नीचे व बेटों की शादी 21 वर्ष से पहले करते हैं,तो वैसे अभिभावकों के साथ-साथ शादी में शामिल होने वाले जनप्रतिनिधि, रिश्तेदार से लेकर पंडित -मौलबी से लेकर शादी में शामिल होनेवाले सभी लोग दोषी होंगे। सभी को दो साल की सजा और एक लाख तक का जुर्माना लग सकता है।

इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक दुर्गा प्रसाद प्रजापति ने कहा कि बाल-विवाह जैसी सामाजिक बुराई का पूरी तरह अंत के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा और बाल विवाह को रोकने के लिए सामाजिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों व अभियान में जो लोग शामिल हैं,सभी को सहयोग करनी होगी, तभी इस बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोक पाएंगे। जमील अख्तर ने कहा कि सामूहिक प्रयास से ही इस कुप्रथा का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कम उम्र में विवाह से युवक-युवतियों का मानसिक व शारीरिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। इसलिए वैसे आमंत्रण में न जाएं, जहां बाल विवाह हो रही हो। इस दौरान सभी ने शपथ लेते हुए बाल विवाह रोकने का संकल्प लिया। कार्यशाला में विकास गोस्वामी, अरशद अली, सेवानिवृत्त शिक्षक दुर्गा प्रसाद प्रजापति, सेंटर के मोहम्मद जमील अख्तर, पम्मी कुमारी, काजल कुमारी,रितिका कुमारी,तस्लीम रजा,रमजान अंसारी, मोहम्मद सोहेल,अनीश रजा सहित सैकड़ों बच्चे मौजूद थे।

धुर्वा के जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल हुए राज्यपाल और मुख्यमंत्री

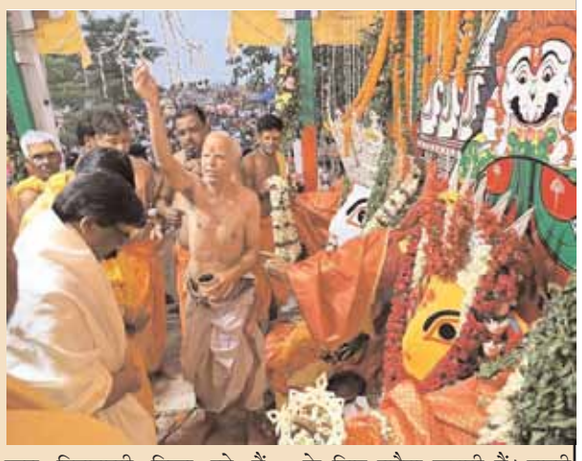

रांची

राज्यवासियों के स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की

धुर्वा का ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेला मंगलवार को शुरू हो गया। मेले की शुरूआत से पहले राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, रांची सांसद संजय सेठ, विधायक नवीन जायसवाल, राजेश कच्छप, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित अन्य ने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा एवं भाई बलभद्र की विधिवत पूजा-अर्चना कर झारखंड वासियों की सुख, समृद्धि, शांति, खुशहाली तथा प्रगति की प्रार्थना की।

मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को भक्ति एवं समर्पण का पर्व रथयात्रा की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके बाद भगवान जगरनाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ को हाथ लगाकर खींचा भी। मौके पर रांची के डीसी राहुल कुमार सिन्हा, एसएसपी किशोर कौशल सहित कई पुलिस पदाधिकारी और जवानों के अलावे जिला प्रशासन के लोग भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहे।

जगन्नाथपुर मेले 29 जून तक आयोजित है। राज्य सरकार (सांस्कृतिक कार्य निदेशालय, झारखंड) की ओर से इस मेले के दौरान जगन्नाथ महोत्सव का आयोजन किया गया है। राज्य की स्थानीय, चर्चित लोककला का आनंद मेले परिसर में आने वालों को मिलना है। इसके लिए खास मंच बनाये गये हैं। कलाकार लोक गीत, नृत्य, सुगम संगीत, नृत्य नाटिका, मॉडर्न नागपुरी सहित अन्य विधाओं की प्रस्तुति अलग अलग समय पर देंगे। महोत्सव के जरिये राज्य की लोक कला और अन्य विधाओं को जीवंत करने का प्रयास किया गया है। पद्मश्री मुकुंद नायक, मधु मंसूरी हंसमुख के अलावे देवदास विश्वकर्मा, मनपूरन नायक, महावीर नायक जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

जगन्नाथपुर मेले में 70 फीट ऊंचे झूले आकर्षण का केन्द्र

जगन्नाथपुर मेले में 70 फीट ऊंचे झूले के अलावे दूसरे तरहे के झूले लगे हैं। मांदर, नगाड़ा, ढाक, ढोलक भी खूब दिख रहे हैं। नगाड़ा, ढाक की खरीद में लोग खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं, जिसकी कीमत 2500 रुपये से लेकर 7000 रुपये तक है। 500 से 1500 रुपये की कीमत पर ढोलक खरीदे जा सकते हैं। परंपरागत मिठाईयां, बालूशाही की भी मांग है।

लोहा, स्टील के बर्तन, परंपरागत औजार, घरेलू साज-सज्जा की चीजों के अलावे कपड़े और अन्य तरह की वस्तुएं भी कस्टमर्स को लुभाती दिखीं।

रांची नगर निगम ने तीन दर्जन से अधिक सिटी बसों की सेवाएं मेले के लिए मुहैया करायी हैं। शहरी क्षेत्रों से मेला स्थल तक आने जाने को इन बसों की सेवाएं ली जा सकती हैं। मेला खत्म होने तक मेला स्थल में हर बस का 10 मिनट का स्टॉपेज तय किया गया है। कचहरी से जगरनाथपुर मेला स्थल के लिए 20 रुपये का भाड़ा तय कर दिया गया है। चलंत शौचालय, साफ-सफाई, पानी टैंकर की व्यवस्था भी निगम ने मुहैया करा रखी है। ट्रैफिक और पार्किंग की व्यवस्था भी की गयी है।

जगन्नाथपुर रथ मेला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

रांची। राजधानी में मंगलवार को जगन्नाथपुर रथ मेला को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। पूरे मंदिर और मेला परिसर पर लगभग 54 सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी रखी जा रही थी। सुरक्षा को लेकर दंडाधिकारी और एक हजार जवानों की तैनाती की गयी थी। साथ ही सादे लिबास में महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों को लगाया था।

इसके अलावा आरएसएस सहित अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी लोगों की सुविधा के लिए सुबह से लगे हुए थे। मेला को लेकर 16 जगहों पर ड्रॉप गेट बनाया गया है। वॉच टावर से भी निगरानी रखी जा रही थी ।सुरक्षा को लेकर एसएसपी किशोर कौशल खुद मानिटरिंग कर रहे थे। सुरक्षा को लेकर सिटी ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, सिटी एसपी शुभांशु जैन, हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा सहित कई थानेदार मौजूद थे।

मेले में मीना बाजार और मौत का कुआं

रथ मेला स्थल पर मिठाई सहित अन्य दुकानें लगाई गई हैं। दुकान मुख्य मंदिर से लेकर मौसीबाड़ी तक जगन्नाथपुर गोलचक्कर से लेकर उसके आसपास के पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके अलावा मेला में बड़े-बड़े झूले लगे है। मीना बाजार और मौत का कुआं भी लगा है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल का अहम योगदान : राज्यपाल

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में पश्चिम बंगाल का अहम योगदान रहा है। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ पश्चिम बंगाल विचारों, कलाओं और परंपराओं का गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का योगदान अद्वितीय रहा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस भूमि ने कई महान विचारक, लेखक, कवि और क्रांतिकारी दिए हैं, जिन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। राज्यपाल मंगलवार को राजभवन में आयोजित ह्यपश्चिम बंगाल राज्य स्थापना दिवसह्न के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। राज्यपाल राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि झारखंड राज्य के विकास में आप सभी का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं का देश है, फिर भी अनेक विभिन्नताओं के बावजूद हम सब एक हैं। ₹विविधता में एकता₹ हमारी ताकत है।

उन्होंने कहा कि हमें स्वयं की भाषा, संस्कृति के साथ दूसरे की भाषा और संस्कृति का भी सम्मान करना चाहिए। इस दिशा में ₹एक भारत, श्रेष्ठ भारत₹ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक दूरदर्शी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के मध्य आपसी एकता को और प्रगाढ़ करना है। साथ ही सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत आज राजभवन में पश्चिम बंगाल राज्य स्थापना दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

राज्यसभा सदस्य डॉ महुआ माजी ने कहा कि झारखंड 1912 तक बंगाल प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। इसलिए यहां रहने वाले बांग्ला समुदाय के लोग अपने को यहीं के मानते हैं। बंगाली और संताली समाज एक-दूसरे से घुले-मिले हैं। बांग्ला साहित्य और संस्कृति अत्यंत समृद्ध हैं। यहां के विभिन्न क्लबों में साहित्य-संस्कृति को सहेजने और विकास के लिए अक्सर कार्यक्रम होता है। यूनियन क्लब में निःशुल्क बांग्ला सिखाया जाता है।

स्वागत भाषण करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अहम योगदान रहा है। इसकी साहित्य और संस्कृति की विशिष्ट पहचान है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

रांची में साइबर ठगी के दो आरोपित गिरफ्तार

रांची। गोंदा थाना पुलिस ने दो शातिर साइबर ठगों को साइबर सेल रांची के साथ मिलकर गिरफ्तार किया है। इनमें गिरिडीह निवासी ब्रह्मदेव पासवान और सोनू कुमार वर्णवाल शामिल हैं। इनके पास से एक लाख 95 हजार 600 रुपये, 12 चेक बुक, 34 डेबिट कार्ड, एक प्रीपेड कार्ड, आठ मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक 64 जीबी का पेनड्राइव, विभिन्न ने कंपनी का आठ सिम कार्ड, 12 पीस आधार कार्ड और दो पीस पैन कार्ड बरामद किया गया है।

साइबर डीएसपी यशोधरा और गोंदा थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने मंगलवार को संयुक्त रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस ने बताया कि 19 जून को बरियातू के एदलहातू निवासी रीता देवी ने थाने में शिकायत की थी कि ब्रह्मदेव प्रसाद और सोनू कुमार वर्णवाल ने सात हजार रुपये की ठगी की है। इसके बाद साइबर सेल एवं गोंदा थाना ने संयुक्त टीम बनाकर कांके के गांधीनगर से दोनों को गिरफ्तार किया।

डीएसपी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में दोनों आरोपितों ने ठगी करने का अपराध स्वीकार किया और बताया कि लोगों को बिजनेस प्रोवाइड कराने के नाम पर ठगी करते हैं। साथ ही बताया कि अलगृअलग लोगों से अबतक 41 हजार रुपये की ठगी की थी। साथ ही फर्जी अकाउंट खोलने में एक्सिस बैंक गिरिडीह ब्रांच के कर्मचारी रमित सिंह की मिलीभगत से फर्जी अकाउंट खोला करते थे। वे करीब सात महीने से धोखाधड़ी एवं साइबर अपराध की घटना को अंजाम दे रहे थे।

डीएसपी ने बताया कि छापेमारी टीम में रंजन कुमार साह विवेक कुमार अजय कुमार दास और लखींद्र बेदिया शामिल थे।

जेल अधीक्षक हामिद अख्तर और अधिवक्ता हिमांशु मेहता को ईडी का समन

रांची। रांची के बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल के अधीक्षक हामिद अख्तर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को फिर से समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें 26 जून को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय बुलाया है।

वहीं दूसरी ओर सेना की जमीन घोटाले मामले में जयंत कर्नाड के करीबी अधिवक्ता हिमांशु मेहता को भी ईडी ने समन भेजकर 28 जून को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय बुलाया है।

ईडी ने हामिद अख्तर और जेल में बंद मनी लॉन्ड्रिंग के कई सत्ता से जुड़े आरोपितों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाया है। इनमें निलंबित आईएएस पूजा सिंघल और छवि रंजन, पावर ब्रोकर प्रेम प्रकाश, कोलकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा शामिल हैं।सूत्रों ने बताया कि छवि रंजन और प्रेम प्रकाश की जेल मंर मुलाकात के खुलासे के बाद ईडी ने हामिद अख्तर को तलब करने का फैसला किया है। प्रेम प्रकाश ने जेल में छवि रंजन से मुलाकात की थी। ईडी ने छवि रंजन, अमित अग्रवाल और अन्य के खिलाफ चार्जशीट में छवि रंजन और प्रेम प्रकाश की जेल में मुलाकात का जिक्र किया है। ईडी ने कहा कि दो आरोपित अवैध रूप से जेल के अंदर मिल रहे हैं, यह स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि साजिश अभी भी चल रही है।

रांची में झमाझम बारिश से सुहाना हुआ मौसम, तपिश से मिली राहत

रांची। झारखंड में मानसून के आते ही मौसम सुहाना हो गया है। राजधानी रांची में मंगलवार को दोपहर बाद झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। बारिश के साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे लोगों को तेज गर्मी और धूप से राहत मिली।

राजधानी रांची का मंगलवार को तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बारिश के बाद तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आने वाले कुछ दिनों तक राजधानी समेत अन्य जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को वज्रपात से सतर्क रहने की सलाह दी है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि 19 जून को दोपहर बाद से मानसून ने संथाल परगना से राज्य में दस्तक दी। ऐसे में शुष्क मौसम के दौरान बारिश होने से वज्रपात की संभावना बढ़ जाती है।

ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि आने वाले तीन दिनों तक वज्रपात की प्रबल संभावना है। इन तीन दिनों तक मानसून राज्य में पूरी तरह मजबूत हो जायेगा। इसे लेकर चेतावनी भी जारी की गयी।

वज्रपात और आंधी से ऐसे करें बचाव

- पेड़ के नीचे न रहें। क्योंकि, हवा के झोंके से पेड़ की टहनियां गिर सकती हैं।
- इस दौरान अगर आप घर से बाहर हैं, तो ऊंची जमीन या अलग-थलग पेड़ों से बचें और सुरक्षित स्थान में आश्रय लें।
- आंधी के बाद गिरे पेड़ की शाखाओं से सावधान रहें। बिजली की लाइनों से दूर रहें।
- गर्जन व वज्रपात की तात्कालिक चेतावनी प्राप्त करने के लिए दामिनी तथा सचेत ऐप का प्रयोग कर सकते हैं।

पतंजलि के योग शिक्षकों द्वारा शहर के विभिन्न संस्थानों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी

जमशेदपुर ।

पतंजलि योग परिवार से संबंध योग शिक्षकों के माध्यम से शहर के विभिन्न संस्थानों, पार्क ,मंदिरों एवं विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई है। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर शहर के योग साधकों एवं शिक्षकों में उत्साह का माहौल है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पतंजलि से प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा सर्वाधिक प्रयास किए जा रहे हैं। पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि पूर्वी सिंहभूम जिले में पतंजलि भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी अजय कुमार झा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बर्मामाइंस में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगी। जबकि पतंजलि द्वारा प्रशिक्षित योग शिक्षकों के देखरेख में शहर के विभिन्न स्कूल-कॉलेज, संस्थानों, पार्क और मंदिरों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी क्रम में टाटा मोटर्स का मुख्य कार्यक्रम टेल्को रीक्रिएशन क्लब में, टाटा मोटर्स हेल्थ सेंटर, इंडियन स्टील एवं वायर प्रोडक्ट्स, आशियाना ब्रह्मानंद,कामधेनु इनक्लेव टेल्को, विजया गार्डन,घरौंदा इनक्लेव मानगो, जे पी विद्यालय मानगो, भारती शिक्षा संस्थान,सभी प्रखंडों में आयुष विभाग द्वारा स्थापित वैलनेस सेंटर, विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी विद्यालय, नीलडीह पार्क, जुबली पार्क,गुड़िया मैदान बिरसानगर, एग्रिको ट्रास्पोर्ट मैदान, गांधी घाट पार्क मानगो, रॉक गार्डन पार्क टेल्को, पर्यावरण पृथ्वी पार्क मानगो समेत शहर के नामी मंदिर जैसे परमहंस लक्ष्मी नाथ गोस्वामी मंदिर बिस्टुपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम तय किए गए हैं। इसके अलावा जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थानों में योग दिवस की तैयारियां पूरी कर ली गई है।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता जरूरी : ट्रैफिक एसपी

रांची। शहर के ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमां ने मंगलवार को मेन रोड स्थित केबी एकेडमी स्कूल परिसर में विभिन्न समाजसेवी संगठनों के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रैफिक एसपी ने रोड सेफ्टी के संबंध में चर्चा की। बैठक के बाद एसपी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता जरूरी है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से रोड सेफ्टी पर फोकस किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिले में आने के बाद से वह प्रशासन-पुलिस के अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवियों से भी विचार-विमर्श कर रहे हैं। उनका मकसद है कि पुलिस और समाज क्या चाहती है, क्या हो रहा है और क्या होना चाहिए। कैसे कमियों को दूर किया जा सकता है, उस पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में विभिन्न संस्था से जुड़े समाजसेवियों ने एक-एक कर के अपनी बात रखी। सभी को सुनने के बाद ट्रैफिक एसपी ने कहा अभियान चलाकर कार्रवाई होती है लेकिन जब तक लोगों में स्वयं जागरुकता नहीं आएगी तब तक अकेली पुलिस भी कुछ नहीं कर सकती। आए हुए सभी लोगों का स्वागत समाजसेवी डॉक्टर असलम परवेज ने किया। डॉक्टर असलम परवेज ने आए हुए विभिन्न संस्था के प्रतिनिधियों से कहा कि हम सबको मिलकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करते हुए अपने नौजवानों को यातायात के प्रति जागरूक करना है। एक टीम की तरह हम सब को मिलकर काम करना है।

बैठक में सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकील उर रहमान, हाजी साहब अली, आम जनता हेल्पलाइन के अध्यक्ष एजाज गद्दी, डॉक्टर असलम परवेज, मोहम्मद इस्लाम, अंजुमन इस्लामिया के महासचिव डॉ तारीक हुसैन, वार्ड काउंसलर नसीम उर्फ पप्पू गद्दी सहित कई लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री को आयुष निदेशक ने योग दिवस का लगाया बैज

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयुष निदेशक झारखंड डॉ. फजलुस शमी एवं संयोजक झारखंड राज्य आयुष परामर्शदात्री समिति डॉ. राजीव कुमार ने मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने रांची के मेकन स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सादर आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को डॉ. फजलुस शमी एवं डॉ. राजीव कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का बैज लगाया। साथ ही मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि योग दिवस पर मेकन ग्राउंड में

कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग चार हजार लोग एक साथ शामिल होंगे। राज्य के प्रत्येक जिले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने उन्हें झारखंड के प्रत्येक जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किए जाने पर शुभकामनाएं दीं।

कुल्लू(हिमाचल प्रदेश) में सप्तम वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का शानदार आयोजन

- बिहार के युवा इतिहासकारों की अग्रणी भूमिका
- बिहार के युवा इतिहासकारों ने अपने शोध आलेखों में भारतीय इतिहास लेखन की प्रवृतियां और इसके नवीन आयाम की शानदार विवेचना प्रस्तुत की -प्रोफेसर डा.राजीव रंजन,इतिहास संकलन समिति,बिहार
- सप्तम राष्ट्रीय संगोष्ठी में बिहार के युवा इतिहासकारों ने शोध आधृत महत्वपूर्ण और गौरवाशाली योगदान किया-शैलेश कुमार,महासचिव,इतिहास संकलन समिति,बिहार
- औपनिवेशिक इतिहास लेखन में साहित्यिक स्रोत की भूमिका महत्वपूर्ण-डा.हिमांशु शेखर,युवा इतिहासकार,भागलपुर,बिहार
- हिन्दी साहित्य में जनजातीय जनजीवन की विभिन्न पहलुओं की विवेचना-डा.नम्रता,युवा महिला इतिहासकार,पटना,बिहार
- मिथिला लोक चित्रकला रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण-बबलु कान्त झा,युवा इतिहासकार,दरभंगा,बिहार

झारखंड देखो प्रतिनिधि।

पटना(बिहार)। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना ,नई दिल्ली और केन्द्रीय विवि.,हिमाचल प्रदेश,धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में 10-11 जून 2023 को श्रीमहादेवी तीर्थ(वैष्णो माता मंदिर) कुल्लू(हिमाचल प्रदेश)में सप्तम वार्षिक युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का शानदार आयोजन किया गया। मौके पर केन्द्रीय विवि हिमाचल प्रदेश के कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल ने अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए संगोष्ठी की सफलता की कामना की और भारतीय इतिहास लेखन में इसके द्वारा अभूतपूर्व योगदान किये जाने की उम्मीद जतायी। भारतीय इतिहास लेखन की प्रवृतियां और नवीन आयाम विषयक कथित संप्तम संगोष्ठी को प्रोफेसर ईश्वर शरण विश्वकर्मा और डा.बाल मुकुन्द पाण्डेय(राष्ट्रीय संगठन सचिव,अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना) नें क्रमशःमुख्य वक्ता और मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया। बिहार इतिहास संकलन समिति के सह-सचिव सह कार्यालय प्रमुख राहुल कुमार झा ने झारखंड देखो बताया कि संगोष्ठी में अतिंथियों का परिचय और उनका स्वागत अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के युवा प्रमुख डा . विकास सिंह और मंच का संचालन इस योजना के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत धींग मजूमदार ने किया। श्री झा ने झारखंड देखो को यह भी बताया कि बिहार के युवा इतिहासकार प्रमुख डा.मुकेश कुमार और राहुल कुमार झा (सह-सचिव और कार्यालय प्रमुख) की अगुवाई मे बिहार से 33 युवा इतिहासकार इसमें शामिल हुए और इस दो दिवसीय संगोष्ठी में अपने शोध आलेखों के प्रस्तुत कर भारतीय इतिहास पुनर्लेखन में महत्वपूर्ण योगदान किया। बिहार के इन युवा इतिहासकारों में डा. मुकेश कुमार,राहुल कुमार,आकाश दीप,डा.श्रीमन नरायण पाठक,बबलू कान्त झा,डा. अखिलेश कुमार,डा.नम्रता,तृप्ति भारती,सुरूची कुमारी,डा. आभा,सुधा कुमारी,शव्या कुमारी,डा.हिमांशु शेखर,डा. अभिमन्यु आदि शामिल थे। इतिहास संकलन समिति ,बिहार के अध्यक्ष प्रोफेसर डा. राजीव रंजन ने बिहार के युवा इतिहासकारों के सक्रिय योगदान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार के युवा इतिहासकारों ने अपने शोध आलेखों में भारतीय इंतिहास लेखन की प्रवृतियां और इसके नवीन आयाम की शानदार विवेचना प्रस्तुत की-। इतिहास संकलन समिति ,बिहार के महासचिव शैलेश कुमार ने बिहार के युवा इतिहासकारों के शोध अनुभव और शोध कार्यों में सक्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि सप्तम राष्ट्रीय संगोष्ठी में बिहार के युवा इतिहासकारों ने शोध आधृत महत्वपूर्ण और गौरवाशाली योगदान किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सप्तम राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुल बारह सेशन्स आयोजित किये गये जिनमें बिहार के युवा इतिहासकारों ने महत्वपूर्ण शोध आलेख प्रस्तुत किये और संगोष्ठी के थीम पर अपने विचार रखे।तिलकामांझी भागलपुर विवि.,भागलपुर,बिहार के युवा इतिहासकार डा.हिमांशु सेखर नें औपनिवेशिक इतिहास लेखन में साहित्यिक स्रोत की भूमिका एवं विभिन्न आयाम पर शानदार शोध आलेख प्रस्तुत किया और विशेषरूप से 1857 के राष्ट्रीय समर में बुदेंलखंड के लोक साहित्य में वर्णित लोक कथाओं और लोकगीतों की व्यापक विवेचना की।दरभंगा,बिहार के युवा इतिहासकार बबलु कान्त झा ने मधुबनी लोक चित्रकला की सुन्दर विवेचना प्रस्तुत की और संगोष्ठी में कहा कि मिथिला लोक चित्रकला संस्कृति से रोजागर उपलब्ध करने की ओर उन्मुख है। युवा महिला इतिहासकार डा.नम्रता ने अपने शोध आलेख हिन्दी साहित्य में जनजातीय जनजीवन (बिहार के संदर्भ में) में जनजातीय समाज के जनजीवन पर प्रकाश डाला और इसके आधारभूत पहलुओं को रेखांकित किया। डा. नम्रता ने झारखंड देखो को बताया कि देश में प्रथम युवा इतिहासकार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन जीवाजी विवि., ग्वालियर में 19-20 मार्च 2016 को आयोजिति किया गया था।तब से इसका आयोजन प्रतिवर्ष देश के विभिन्न भागों में किया जाता है। उनके अनुसार इसका मूल उद्देश्य भारत का प्रामाणिक इतिहास लेखन,प्रामाणिक ऐतिहासिक तथ्यों का संकलन के साथ साथ शोध के क्षेत्र में कार्य करने वाले युवा इतिहासकारों को प्रामाणिक इतिहास लेखन से जोड़ना भी है। समापन समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की और अपने विचार प्रस्तुत किये। इनमें माननीय सारस्वत अतिथि कमल दास , विशिष्ट अतिथि संजय जी और डा.बाल मुकुन्द पाण्डेय शामिल थे। इसके मुख्य अतिथि पूर्व सांसद महेश्वर सिंह(कुल्लु) ने समापन समारोह को सम्बोधित किया और संगोष्ठी के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। कृषि विवि., पालमपुर के पूर्व कुलपति डा.तेज प्रताप ठाकुर के अध्यक्षीय भाषण के पश्चात अतिथियों और प्रतिनिधियों आदि का मनोरंजन हेतु रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया।

अस्पतालों में आने वाले मरीजों को सरकार द्वारा देय सभी सुविधाएं हर हाल में कराएं मुहैया : जिलाधिकारी

- मरीजों तथा उनके परिजनों के साथ करें अच्छा बर्ताव।
- बेहतर तरीके से संचालित कराएं ओपीडी।
- अस्पतालों में साफ-सफाई, हाइजीन, वेस्ट मैनेजमेंट, दवा, एम्बुलेंस आदि की समुचित व्यवस्था के साथ डॉक्टर, नर्सेज आदि की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने का निर्देश।
- संभावित बाढ़ को लेकर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सभी एसेंसियल ड्रग, ब्लीचिंग पाउडर सहित सभी व्यवस्थाएं अपडेट रखने का निर्देश।
- अवैध नर्सिंग होम, क्लिनिक संचालन के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाकर अवैध संस्थान को सील करने तथा प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश।

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेतिया। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय द्वारा आज समाहरणालय सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा वर्ष 2022-23 में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में किये गए कार्यों तथा वर्तमान में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली गयी तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

बैठक में ओपीडी/आईपीडी, मैरिटल एंड चाइल्ड हेल्थ, लैब सर्विस, आशा, फैमली प्लानिंग सर्विस, आरसीएच इंट्री (अनमोल), ड्रग मैनेजमेंट, ई-संजीवनी ओपीडी, भव्या पोर्टल, आरएनटीसीपी, आईडीएसपी पोर्टल, आरबीएसके, फ्लड प्रिपरेशन, लू, कोविड, एनभीबीडीसीपी, डीक्यूएसी, एनसीडी, रूटीन इम्यूनाइजेशन एंड सर्विलांस, इंफ्रास्ट्रक्चर, डेंगू, जेई/एईएस, कालाजार, फाइलेरिया आदि की गहन समीक्षा की गई।ओपीडी/आईपीडी की समीक्षा के दौरान यह ज्ञात हुआ कि चनपटिया, बेतिया, गौनाहा, पिपरासी, मधुबनी, ठकराहा द्वारा लक्ष्य के अनुरूप अच्छा कार्य किया गया है। वहीं भितहा, बगहा, लौरिया द्वारा अपेक्षाकृत कम उपलब्धि हासिल की गई है।जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जिले के सभी अस्पतालों में ओपीडी का संचालन विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप होना चाहिए। विभाग द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी शत-प्रतिशत पूर्ति होनी चाहिए। सिविल सर्जन नियमित रूप से इसका अनुश्रवण करेंगे तथा ओपीडी की औचक जाँच कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि इससे संबंधित अद्यतन रिपोर्ट संबंधित पोर्टल पर अपडेट कराया जाय। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि ओपीडी का लाभ मरीजों को हर हाल में मिलना चाहिए। ओपीडी में डॉक्टर, नर्सेज तथा अन्य कर्मी उपस्थित रहने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि एमओआईसी ओपीडी संचालन से संबंधित फीडबैक नियमित रूप से लेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अस्पताल सहित पूरे परिसर की समुचित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। अस्पतालों में आने वाले मरीजों तथा उनके परिजनों के साथ अच्छा बर्ताव करें तथा सरकार द्वारा देय सभी सुविधाएं मरीजों को हर हाल में मिले, इसे सुनिश्चित किया जाय।

उन्होंने निर्देश दिया कि अस्पतालों में हाइजीन, सैनेटाइज, वेस्ट मैनेजमेंट, इंफेक्शन कंट्रोल, इको फ्रेंडली फैसेलिटी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। इस हेतु कारगर कार्रवाई की जाय। अस्पतालों में रोस्टर वाइज डॉक्टर, नर्सेज तथा अन्य कर्मियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति होनी चाहिए। दवाई, एम्बुलेंस सहित अन्य व्यवस्थाएँ अच्छी होनी चाहिए ताकि मरीजों को परेशानी नहीं हो।

एएनसी की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं को समुचित चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराया जाना है। इस हेतु समय-समय पर उनकी स्वास्थ्य जाँच अनिवार्य रूप से की जाय तथा दवा आदि उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि एएनसी की सतत मॉनिटरिंग बेहद जरूरी है। इसके साथ ही संस्थागत प्रसव को बढ़ावा भी देना है। आशा नियमित रूप से गर्भवती महिलाओं की जाँच करेंगी तथा डीसीएम एवं बीसीएम इस कार्य का अनुश्रवण करेंगे।उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग को सभी तैयारियां ससमय पूरी कर लेनी है ताकि विषम परिस्थिति में प्रभावितों की मदद की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि इस हेतु कारगर वर्क प्लान तैयार करें। मेडिकल टीम का गठन करें। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सभी एसेंसियल ड्रग, ब्लीचिंग पाउडर सहित सभी व्यवस्थाएं अपडेट रहनी चाहिए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिविल सर्जन सहित सभी एमओआइसी इसका अनुपालन अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही कम्युनिकेशन प्लान, अल्टरनेटिव प्लान भी तैयार रखें।उन्होंने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ को लेकर स्थानीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी कार्य ससमय पूर्ण कर लिया जाय। साथ ही सभी एमओआइसी अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ भी बैठक कर लेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन को यह सूचना मिल रही है कि जिले में कहीं-कहीं अवैध नर्सिंग होम, क्लिनिक का संचालन किया जा रहा है। यह अत्यंत गंभीर मामला है। इस पर पूर्णतः रोक लगाने की आवश्यकता है। सभी एमओआइसी अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत अवैध नर्सिंग होम, क्लिनिक संचालन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर छापेमारी अभियान चलाएं, सील करने तथा प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई करें।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अनिल कुमार, सिविल सर्जन, डॉ0 श्रीकांत दुबे सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य जिलास्तरीय अधिकारी, सभी एमओआइसी आदि उपस्थित रहें।

कॉवरियों/श्रद्धालुओं हेतु आध्यात्मिक भवन सरासनी देवघर में भोजनादि की करने हेतु अति अल्पकालीन निविदा निकली

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई है कि राजकीय श्रावणी मेला, 2023 का आयोजन दिनांक-04.07.2023 से 31.08.2023 तक होना है। जिसमें देश-विदेश से आने वाले कॉवरियों/श्रद्धालुओं हेतु आध्यात्मिक भवन सरासनी, देवघर में भोजनादि की व्यवस्था की जानी है। श्रावणी मेला, 2023 में कॉवरियों/श्रद्धालुओं हेतु शुद्ध, स्वच्छ एवं गुणवतापूर्ण भोजनादि सबसे कम दर पर आपूर्ति करने हेतु अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसमे शुल्क श्रद्धालुओं से देय होगा।

इसके अलावे तकनिकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग-अलग लिफाफे में दिनांक-22.06. 2023 को समय 03:00 बजे अपराह्न तक जिला खेल कार्यालय, देवघर (के०के०एन०- स्टेडियम) में जमा करना है तथा दिनांक- 23.06.2023 को समय 11:00 बजे पूवाहन में निविदा खोली जाएगी। निविदा से संबंधित शर्ते एवं भोजनादि से संबंधित मेनू देवघर जिला के Website-www.deoghar.nic.in पर देखा जा सकता है।

वायु सेना में अधिकारी के रूप में कैरियर शुरू करने वाले सहारा सिटी निवासी अंसुमान सिंह को पुर्व सैनिकों ने किया सम्मानित

जमशेदपुर। प्रतिभा के धनी अंसुमान सिंह चौहान का तीन बर्ष पहले एन डी ए सलेक्शन हुआ था। उन दिनों भी पुर्व सैनिक सेवा परिषद के सदस्यों ने उनका मार्गदर्शन किया था। पिछले महीने अंसुमान का पास आउट होने के बाद शहर आने के बाद उनके घर जाकर पुर्व सैनिकों ने उन्हें अंगवस्त्र पुष्पगुच्छ एवं पेन सेट देकर सम्मानित करते हुवे उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंसुमान सिंह चौहान की माता ममता सिंह का कहना है कि मुझे उमिन्द नही था कि मेरा सीधा साधा बेटा फाइटर पायलट बन पायेगा। मगर उसकी कड़ी मेहनत और शांत स्वभाव ने सफलता दिलाई। मुझे अपने बेटे पर गर्व है कि उसे सेना के माध्यम से देश की सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आज सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में तीनों सेना से सेवानिवृत्त सैनिकों में जिला मंत्री दिनेश सिंह जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर कमल शुक्ला पुर्व वायु सैनिक सुरेंद्र कुमार मौर्या जिला।संयोजक राजीव रंजन ने उन्हें सम्मान देते हुवे अपने सेना के अनुभव साझा किया।

टाटा एआईए शीर्ष तीन प्राइवेट जीवन बीमाकर्ताओं में शामिल

जमशेदपुर। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7,093 करोड़ रुपये की व्यक्तिगत भारित न्यू बिजनेस प्रीमियम आय दर्ज की, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 की 4,455 करोड़ रुपये की आय से 59 प्रतिशत अधिक है। इस प्रदर्शन ने कंपनी को आईडब्ल्यूएनबीपी आय में निजी जीवन बीमाकर्ताओं के बीच तीसरा स्थान दिलाया है। वित्त वर्ष की कुल प्रीमियम आय 42 प्रतिशत बढ़कर 20,503 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 14,445 करोड़ रुपये थी। वर्ष के दौरान, शुद्ध लाभ 615 प्रतिशत बढ़कर 506 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 22 में 71 करोड़ रुपये था। टाटा एआईए लाइफ द्वारा बीमांकित खुदरा बीमा राशि 3,07,804 करोड़ रुपये से बढ़कर 443,479 करोड़ रुपये हो गई है जो वित्त वर्ष 22 की तुलना में 44.08 प्रतिशत अधिक है। निजी जीवन बीमाकर्ताओं के बीच, वित्त वर्ष 23 में खुदरा बीमा राशि के आधार पर टाटा एआईए की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 22 में 21 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत हो गई है। कुल रिन्यूअल प्रीमियम आय में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 9,086 करोड़ रु. से बढ़कर वित्त वर्ष 22 में 11,964 करोड़ रु. हो गई। प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह 58,570 करोड़ रुपये से बढ़कर 71,006 करोड़ रुपये हो गई। दावा निपटारा अनुपात और स्थिरता के बावजूद टाटा एआईए ने दो सबसे महत्वपूर्ण परिचालन मानकों पर भी बहुत प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 23 का व्यक्तिगत मृत्यु दावा निपटान अनुपात वित्त वर्ष 22 के 98.53 प्रतिशत से बढ़कर 99.01 प्रतिशत हो गया। कंपनी ने मजबूती से स्थिर प्रदर्शन करना जारी रखे हुए है, जो जीवन बीमा कंपनियों की परिचालन उत्कृष्टता की पहचान है। वित्त वर्ष 22 की तुलना में, कंपनी का 13वें महीने का पर्सिस्टेंसी रेशियो (प्रीमियम पर आधारित) 87.76 प्रतिशत से बढ़कर 88.1 प्रतिशत हो गया। वर्ष के लिए कंपनी की 25वें महीने का पर्सिस्टेंसी 79.6 प्रतिशत थी।

सुविचार

ज़िन्दगी हमेशा दूसरा मौका ज़रूर देती है। जिसे हम कल कहते हैं।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया है, जो वर्तमान परिस्थितियों में अत्यधिक प्रासंगिक है। वास्तव में आत्मनिर्भरता की अवधारणा सिर्फ राजनीतिक, आर्थिक और कुछ क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। यह अत्यंत व्यापक है। जब बात रक्षा क्षेत्र की हो तो यह अनिवार्यता की श्रेणी में आनी चाहिए। भारत ने विश्व की ओर सदैव सहायता का हाथ आगे बढ़ाया है, लेकिन जब हमें जरूरत पड़ी तो कुछ देशों ने इसे सुनहरे मौके की तरह भुनाया था। फिर चाहे वह साल 1971 का युद्ध हो या 1999 का कारगिल युद्ध। उन्होंने सख्त जरूरत पड़ने पर हमें रक्षा उपकरण देने से इन्कार कर दिया था। जब दिसंबर 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में आम जनता पर पाकिस्तानी फौज अत्याचार कर रही थी, तब अमेरिका ने उसे फटकार लगाने के बजाय भारत को अपने सातवें बेड़े की धमकी दी थी। पाकिस्तानी फौज ने भारत पर हमले में अमेरिकी टैंकों और हथियारों का इस्तेमाल किया था। इसी तरह कारगिल युद्ध में कई देशों ने मौके का फायदा उठाने की भरपूर कोशिशें की थीं। तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक एक कार्यक्रम में कह चुके हैं कि उस दौरान जहां कहीं से भी हथियार या गोला-बारूद खरीदना चाहा, कंपनियों ने, भले ही वे हमारे मित्र देश की हों, फायदा उठाना चाहा था। भारत ने एक विदेशी कंपनी से डेनेल गन खरीदने की कोशिश की तो वह इसके लिए तैयार हो गई। बाद में यह कहकर अपने वादे से पलट गई कि उसके पास तो पुराने हथियार हैं और वे ही भारत भेजे जाएंगे। चूंकि युद्ध में काफी मात्रा में गोला-बारूद की जरूरत थी, तो एक विदेशी कंपनी ने जो माल पहुंचाया, वह सत्तर के दशक का था। स्पष्ट है कि उस कंपनी ने इस बहाने पुराना माल खपाया था, जिसे सामान्य परिस्थितियों में कोई नहीं खरीदता।

कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी घुसपैठियों को ऊंचाई का फायदा मिल रहा था। वे बंकर या चट्टान की ओट में बैठकर हमारे जवानों को नुकसान पहुंचा रहे थे। तब हवाई हमलों का फैसला लिया गया। उस सिलसिले में सैटेलाइट इमेज की जरूरत थी। उसके हर फ्रेम की कीमत करीब 36 हजार रुपए थी। जब फ्रेम भारत ने खरीदे तो पता चला कि उनकी उपयोगिता नहीं है, चूंकि वे तीन साल पुराने थे। अगर उस समय हम रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होते तो भारतीय जवानों का जीवन अधिक सुरक्षित होता और पाकिस्तानी घुसपैठियों पर और ज्यादा ताकत से प्रहार होता। हमें इन दोनों युद्धों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए। इसका एक बड़ा सबक यह भी है कि अपनी रक्षा के लिए विदेशों पर निर्भरता नहीं होनी चाहिए या कम से कम होनी चाहिए। हमारी सेनाओं के लिए उच्च गुणवत्ता की रक्षा सामग्री और उपकरणों का निर्माण भारत में ही होना चाहिए। 'मेक इन इंडिया' से ही भारत की सुरक्षा पुख्ता की जा सकती है। विदेशी कंपनियां हथियारों का धंधा इसलिए नहीं कर रहीं, क्योंकि वे दुनिया में शांति स्थापित करना चाहती हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य अधिक से अधिक लाभ कमाना है। दुनिया में जितनी अशांति होगी, उतनी ही उनके खजाने में धनवर्षा होगी। जब वे यह देखती हैं कि भारत को किसी उपकरण या सामग्री की सख्त जरूरत है तो उस समय उनके लिए लॉटरी लग जाती है। वे खूब चांदी कूटना चाहती हैं। एक ओर तो अमेरिका भारत से मैत्री का दावा करता है, लेकिन दूसरी ओर पाकिस्तान को हथियार भी देता रहता है! यह दोहरी नीति इसलिए है, ताकि भारत पर दबाव बना रहे और वह हथियार भी खरीदता रहे। भारत की सुरक्षा, स्वतंत्रता और संप्रभुता कायम रखने के लिए बहुत जरूरी है कि रक्षा क्षेत्र में शोध और निवेश को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा जाए। इसमें कुछ समय लग सकता है, लेकिन भारत इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम है।

ट्वीटर टॉक

न्यूनतम मूल्य में सनातन के धर्मग्रंथों को करोड़ों लोगों तक पहुंचाकर जन-जन में सनातन चेतना, भक्ति भावना और अध्यात्म का संचार करने वाले गीताप्रेस गोरखपुर को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा गांधी शांति पुरस्कार के लिए चयनित किया जाना वाकई हर्ष का विषय है।

-सतीश पूनिया

विधायी कार्यों, नीति-निर्धारण तथा कार्यक्रम क्रियान्वयन को बेहतर बनाने में महिला सदस्यों की भूमिका सुनिश्चित करने में भी 17वीं लोक सभा अग्रणी रही। गत चार वर्षों में 367 महिला सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में भाग लिया।

-ओम बिरला

बिपरजॉय चक्रवाती तूफान की चेतावनी इतने दिन पूर्व आने के बावजूद भी प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने किसी भी जिले में आपदाकाल से निपटने की माकूल तैयारियां नहीं की। इसी का असर कई लोगों की मौत और पानी भराव की समस्या के रूप में देखने को मिल रहा है।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

समस्याओ का बोझ

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे बच्चों को दिखाते हुए पूछा, यह क्या है? छात्रों ने उत्तर दिया, गिलास। प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, इसका वजन कितना होगा ? उत्तर मिला, लगभग 100-150 ग्राम। उन्होंने फिर पूछा, अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा ? छात्रों ने जवाब दिया, कुछ नहीं। अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूं तो ? प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया। छात्रों ने उत्तर दिया, आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।

उन्होंने फिर प्रश्न किया, अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा ? तब छात्रों ने कहा, आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं। जिससे आपको लकवा हो सकता है। प्रोफेसर ने कहा, बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा ? जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं। तो कोई फर्क नहीं पड़ता।

सामयिक

योग से होगा सेहतमंद भारत का निर्माण

प्रभुनाथ शुक्ल
मोबाइल : 8924005444

भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है-'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सदचित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है।

योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। आज पूरी दुनिया योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर, 2014 को इसका प्रस्ताव भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योग शास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक समृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने हैं। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं।

भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं।

भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

आजकी भगदौड़ में पूरी जिंदगी असंयमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भागदौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा।

जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है। हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

मंथन

अमेरिका का चीन को आर्थिक मोर्चे पर जोरदार झटका

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

अमेरिका ने चीन को आर्थिक मोर्चे पर जोरदार झटका दिया है। अमेरिकी सीनेट ने एक नए कानून को मंजूरी दी है जिसके तहत चीन को अमेरिका अब विकाशील देश का दर्जा नहीं देगा। अमेरिका के इस कदम से चीन पर भारी असर पड़ेगा। चीन को अब विश्व बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों से उसे आसानी से और कम ब्याज दर पर लोन नहीं मिल पाएगा। विकासशील देश के स्टेटस की वजह से चीन को आसानी से सस्ता कर्ज मिल जाता था लेकिन फिर चीन दुनिया के गरीब देशों को महंगे कर्ज देकर अपने कर्ज की जाल में फंसा लेता था। अमेरकी सीनेट से मिली कानून की मंजूरी के बाद अब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की कोशिश विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुपक्षीय संगठनों को चीन की इकोनॉमी को 'विकसित अर्थव्यवस्था' का स्टेटस देने के लिए तैयार करने की होगी।

अमेरिकी सीनेट की फॉरेन रिलेशन कमेटी की पहल पर चीन से डेवलपिंग कंट्री का स्टेटस छीना गया है। चीन अमेरिका के इस कदम को एशियाई देश के विकास को दबाने की साजिश के रूप में देख रहा है। सीनेट ने मानना कि चीन को अब वो सारी सुविधाएं नहीं दी जा सकती है जो विकासशील देशों को मिलती हैं। चीन की अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डॉलर की है और उसने दुनिया के कई देशों में अरबों डॉलर का निवेश किया है। इस वजह से अब चीन को डेवलपिंग कंट्री वाली तमाम रियायतें नहीं मिलेंगी क्योंकि चीन विकासशील देश के स्टेटस का गलत इस्तेमाल कर रहा था।

चीन ने जो सस्ते दरों में कर्ज हासिल किए, उसका इस्तेमाल 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' में किया गया। साथ ही उसने गरीब देशों को महंगे दर पर कर्ज दिए जिससे वो देश कर्ज के जाल में फंसते चले गए। इसके बाद चीन उनकी जमीनों और संस्थानों पर कब्जा कर रहा है। अगर अमेरिका इंटरनेशनल संस्थानों को इसके लिए मना लेता है कि चीन अब एक विकासशील अर्थव्यवस्था नहीं है, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार के लिए बड़ा झटका होगा क्योंकि चीन की इकोनॉमी कोविड के बाद से ही मुश्किल स्थिति में हैं और इसकी रफ्तार बहुत धीमी है। अब अमेरिका के इस कदम से उसकी इकोनॉमी की रफ्तार और धीमी हो सकती है।

सस्ते लोन के अलावा विकासशील देशों को इंटरनेशनल व्यापार में भी फायदा मिलता है। वर्ल्ड बैंक हर साल विकासशील देशों को अरबों डॉलर का लोन देता है। अमेरिकी डिफेंस डिपार्टमेंट के अधिरकारी पैट्रिक क्रोनिन ने अप्रैल में एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि चीन बहुत शातिर है। उसने विकासशील देश के स्टेटस का फायदा उठाकर दुनिया की इकोनॉमिक ढांचे को तो बर्बाद कर दिया है और गरीब देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसा लिया है।

एक विकसित देश में एडवांस औद्योगीकरण, उच्च स्तर की आर्थिक समृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नागरिकों का उच्च जीवन स्तर होता है। ऐसे देशों में आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित उद्योग, मजबूत संस्थाएं और व्यापक सामाजिक कल्याण प्रणाली के साथ-साथ उच्च साक्षरता दर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध होती है। अगर भारत के संदर्भ में देखें, तो यह विकासशील देश है। चीन के मुकाबले भारत की इकोनॉमी छोटी है, इसलिए भारत के पास विकाशील देश का स्टेटस है। भारत की जीडीपी 3775 ट्रिलियन डॉलर की है।

चीन का विकासशील देश का दर्जा खत्म कराने की अमेरिका की कोशिश को दोनों देशों के बीच बढ़ती तल्खी का नतीजा भी कहा जा सकता है। चीन आर्थिक और रणनीतिक, दोनों स्तर पर अमेरिका को लगातार चुनौती दे रहा है। जवाब में अमेरिका भी चीन पर लगाम लगाने की हर जुगत में लगा है। हालांकि विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी संसद में चीन को विकसित देश का दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर तत्काल कोई बड़ा असर नहीं होगा लेकिन इसके दूरगामी परिणाम होंगे।

नजरिया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आसन्न खतरे और रोकथाम नियम

राजकुमार जैन
मोबाइल : 98260 51911

ऐसे क्षेत्र जिनका दायरा और कार्य पूरी दुनिया को प्रभावित करते है जैसे हवाई उड़ान मार्ग, समुद्री परिवहन मार्ग, परमाणु शक्ति, इंटरनेट और वेबसाईट, मोबाईल फोन, क्रेडिट कार्ड, बैंकिंग, अंतरिक्ष आदि, उनको प्रभावी और सुरक्षित बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियामक आयोग बनाए जाते हैं जो सुरक्षित और सुचारू परिचालन के लिए नियमन, नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था बनाते हैं। इसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता की व्यापक पहुँच और बढ़ती स्वीकार्यता के मद्देनजर एक वैश्विक नियामक आयोग के गठन की मांग उठने लगी है। उल्लेखनीय है कि दुनिया में 500 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिन्हें डिजिटल नागरिक भी कहा जाता है ऐसे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सहारे उनकी वित्तीय सुरक्षा, निजता की सुरक्षा और उनकी भौतिक सुरक्षा पर खतरे के डर को लेकर वैश्विक स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को नियंत्रित करने की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की जाने लगी है।

यह देखा गया है कि एआई तर्क और बुद्धिमत्ता आधारित कामकाज को बेहतर बनाने के लिए तो ठीक है लेकिन जहां निर्णय लेने के लिए मानवीय संवेदनाओं, सूझबूझ आदि की आवश्यकता होती है वहाँ एआई का मनमाना उपयोग खतरनाक सिद्ध हो सकता है। एआई के लिए विनियामक और नीति निर्धारण की कमी वैश्विक न्यायालयों में एक उभरता हुआ मुद्दा है। पूरी तरह से अनियंत्रित एआई को अपनाने के जोखिम हमारी सोच से कहीं अधिक हैं, इसका पूर्णतः उन्नत रूप मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा कर सकने में सक्षम हो सकता है। उत्तम किस्म के शक्तिशाली एआई सिस्टम को तभी बनाया जाए, जब हम आश्वस्त हो जाएं कि उसके नकारात्मक पहलू को नियंत्रित कर केवल सकारात्मक असर ही समाज पर पड़ेगा। मानव बुद्धिमत्ता के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले एआई मानवता और समाज के लिए कई जाने पहचाने और अनजाने खतरों को जन्म दे सकते हैं।

व्यापक डिजिटल बदलाव के चलते दुनिया भरोसेमंद एआई को अपनाने को तैयार हो रही है और अब तक सामने आए एआई के प्रयोगों ने लोगों का भरोसा जीता है। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने के लिए एआई एक बेहद सशक्त औजार के रूप में अपनी उपयोगिता स्थापित कर चुका है। विभिन्न क्षेत्रों में एआई की बढ़ती पैठ और उपयोगिता के चलते माना जा रहा है कि वर्ष 2023 के अंत तक एआई क्षेत्र में कुल वैश्विक निवेश 300 अरब डॉलर के पार निकाल जाएगा, और 2030 तक वैश्विक जीडीपी में एआई का योगदान लगभग 16 ट्रिलियन डॉलर होगा। आज के समय में एआई पर शोध करने वाली प्रयोगशालाएं कुछ भी कर सकने में सक्षम हैं अतः इतनी अहम तकनीक का निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए दुरुपयोग ना हो इसलिए एक अंतर्राष्ट्रीय नियामक आयोग का होना बेहद जरूरी है। वर्ष 2023 के अंत तक इसके एक वैश्विक नियामक का आकार लेने की प्रबल संभावना है जो संभावित ज़ोखिमों का अध्ययन कर एक जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए विस्तृत नैतिक सिद्धांतों का प्रस्ताव रखेगा और प्रभावी निगरानी हेतु एक सतत-परिवर्तनशील दृष्टिकोण मुहैया कराएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एआई से संबंधित गतिविधियों की निगरानी के लिए लंदन में मुख्यालय बनाने का प्रस्ताव रखा है। इन सब प्रयासों के बावजूद आसन्न चिंता यह है कि एआई जैसी विस्तृत और व्यापक तकनीक के नियमन की सभी जरूरतों के लिए एक समाधान वाला दृष्टिकोण प्रभावी नहीं होगा।

एआई नियमन के बारे में भारत का मानना है कि सुझाये गये नियामक हस्तक्षेप विभिन्न उपयोग के लिए अलग-अलग एआई के डिजाइन, विकास और उनकी तैनाती से जुड़े ज़ोखिमों के आकार, प्रकृति और संभावना के अनुरूप प्रतिक्रिया देंगे। इस दृष्टिकोण के लिए बुनियादी सिद्धांत इस प्रकार है, नुक़सान पहुंचने की संभावना जितनी ज्यादा होगी, नियामकीय आवश्यकताएं उतनी सख्त होंगी और नियामकीय हस्तक्षेप की सीमाएं भी उतनी ही दूरगामी होंगी।

' जहां नुकसान का ज़ोखिम कम है वहां स्व-नियमन लागू किया जायेगा। जबकि, जहां नुकसान का ज़ोखिम बड़ा है वहां क़ानूनी हस्तक्षेप प्रस्तावित किया गया है। यूरोपीय संघ जैसे दूसरे अधिकार क्षेत्रों ने भी इसी तरह का ज़ोखिम-आधारित दृष्टिकोण अपनाया है और बहुस्तरीय ज़ोखिम पैमाना, अस्वीकार्य ज़ोखिम, उच्च ज़ोखिम, सीमित ज़ोखिम और न्यूनतम ज़ोखिम बनाया है। आत्म-नियमन और सरकार-नीत नियमन का सावधानी पूर्ण तालमेल और संयोजन एआई उद्योग जगत को यह बड़ा मौका देता है कि वह आगे आये और सिद्धांतों और सदंर्भगत आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यपद्धति विकसित करते हुए ज़रूरत से ज्यादा तगड़े नियमन से बच सके।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

विरोध

नयी दिल्ली में सोमवार को मणिपुर के लोगों ने जंतर मंतर पर राज्य में जारी हिंसा के विरोध में प्रदर्शन किया।

सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, भाजपा को हटाने के लिए एकजुट हुए हैं धर्मनिरपेक्ष दल: डी राजा

रांची/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के महासचिव डी राजा ने सोमवार को कहा कि सभी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक दल 2024 में होने वाले आम चुनाव में सत्ता हासिल करने के मकसद से नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शिकस्त देने के लिए एकजुट हुए हैं।

झारखंड की दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए डी राजा ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान में देश के हालात गंभीर और चिंतित करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की खातिर भाजपा को उखाड़ फेंकने की जरूरत है। उन्होंने कहा, धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक दलों का मत है कि भाजपा को हराने के लिए सभी को साथ आना चाहिए। यह राजनीतिक सत्ता हासिल करने के बारे में नहीं है बल्कि संविधान, लोकतंत्र, देश और उसके भविष्य को बचाने के बारे में है। यह समझ अब तेजी से विकसित हो रही है...।

भाकपा नेता ने कहा, इस गुट का नेता कौन होगा, यह कोई मुद्दा ही नहीं है। हर चीज पर बातचीत हो सकती है और सामूहिक निर्णय लिया जा सकता है क्योंकि सारे दल परिपक्व हैं। राजा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर रखने के लिए वर्ष 1996 में गठित संयुक्त मोर्चा (यूएफ) का उल्लेख करते हुए विपक्षी दलों के तब का भी अनुभव है। उन्होंने कहा, उस समय जीत के बाद नेतृत्व संबंधी बातों को हल कर लिया गया था। यहां तक कि एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई थी और उसे स्वीकार किया गया था। कोई दिक्कत नहीं थी। सब कुछ सही रहा और हर चीज पर सामूहिक रूप से चर्चा की गई। धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक दलों के एकजुट होने के लिए कोई शर्त नहीं है। उन्होंने कहा कि पटना में 23 जून को विपक्षी दलों की होने वाली बैठक में वह भाकपा का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बैठक में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और विभिन्न विपक्षी दलों के शीर्ष नेता शामिल होंगे। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई बैठक में भाजपा विरोधी दल 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए रणनीति तैयार करेंगे।

भारत-अमेरिका संबंधों में महत्वपूर्ण पड़ाव है प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा : अमेरिकी सीनेटर

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण पड़ाव है और दोनों देशों के करीब आने का अहम प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। वह राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर अमेरिका आ रहे हैं।

सीनेटर और रिपब्लिकन नेता टोड यंग ने पीटीआई-भाषा से कहा, अमेरिका और भारत के बीच संबंधों में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा महत्वपूर्ण बिंदु है। अमेरिकी सीनेट में इंडियाना का प्रतिनिधित्व करने वाले यंग ने कहा, दोनों देशों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहना चाहिए और मैं हमारी साझा समृद्धि के लिए भारत में अपने समकक्षों के साथ काम करने के लिए आशान्वित हूं।

सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष जॉन कॉर्निन ने इंडिया आइडियाज समिट में परिचर्चा में भाग लेते हुए उम्मीद जताई कि मोदी की राजकीय यात्रा से भारत-अमेरिका की साझेदारी को फिर से मजबूत करने की दिशा में बल मिलेगा। उन्होंने कहा, हमने इतिहास की बात की है और आप वापस नहीं जा सकते और इतिहास को पलट नहीं सकते। लेकिन हम इस बात को मान सकते हैं कि मौजूदा खतरे वास्तविक हैं। कॉर्निन ने नवंबर, 2021 में अपनी भारत यात्रा को याद किया। रिपब्लिकन नेता ने कहा, मैं भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ यात्रा कर रहा था और मैंने कहा था कि हम इस बात को लेकर चिंतित हैं कि ताइवान में चीन क्या कर सकता है। और उन्होंने कहा था कि हमारी समस्या ताइवान से जुड़ी नहीं है। हमारी समस्या चीन से जुड़ी है। उन्होंने कहा, इसलिए, मेरे विचार से चीन के साथ चल रहे सीमा युद्ध को लेकर भारत की चिंताएं समझ में आती हैं और उनकी मान्यता है कि उन्हें अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक अमेरिकी निवेश के लिए खोलने और हमारे साथ काम करने से लाभ होगा।

कॉर्निन ने कहा कि यह यात्रा हमारे करीब रहते हुए साथ आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने कहा, भारत अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखना चाहता है। मेरा मानना है कि यह सकारात्मक संकेत है।

सीनेटर मार्क वार्नर के मुताबिक, भारतीय अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस के सैनिकों की तुलना में भारतीय सीमा पर उकसाने वाले चीनी सैनिकों की संख्या अधिक है।

डेमोक्रेट वार्नर ने कहा, इसलिए यह ताइवान से जुड़ी समस्या नहीं है। यह चीन से जुड़ी समस्या है। भारतीय इसे मानते हैं। मुझे उम्मीद है कि हम प्रधानमंत्री से कानून व्यवस्था के लिए पुन: प्रतिबद्धता के बारे में, एक खुली राजनीतिक प्रक्रिया को लेकर पुन: प्रतिबद्धता के बारे में कुछ सुनेंगे क्योंकि वह बहुत लोकप्रिय हैं।

गांधी शांति पुरस्कार पाना सम्मान की बात पर एक करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि नहीं लेंगे: गीता प्रेस

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर स्थित धार्मिक ग्रंथों की विश्व प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था गीता प्रेस की ओर से सोमवार को कहा गया कि प्रतिष्ठित गांधी शांति पुरस्कार मिलना सम्मान की बात है, लेकिन किसी प्रकार का दान स्वीकार नहीं करने के अपने सिद्धांत के अनुरूप प्रकाशन संस्था एक करोड़ रुपए की नकद पुरस्कार राशि को स्वीकार नहीं करेगी।

प्रकाशन संस्था ने गांधी शांति पुरस्कार के लिए चयनित होने पर केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। रविवार देर रात यहां गीता प्रेस के ट्रस्टी बोर्ड की बैठक में यह फैसला किया गया कि प्रतिष्ठित पुरस्कार तो स्वीकार किया जाएगा, लेकिन इसके साथ मिलने वाली एक करोड़ रुपए की धनराशि नहीं ली जाएगी।

गीता प्रेस के प्रबंधक लालमणि त्रिपाठी ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, हम केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गांधी शांति पुरस्कार प्रदान करने के लिए धन्यवाद देते हैं। यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। किसी भी प्रकार का दान स्वीकार नहीं करना हमारा सिद्धांत है, इसलिए न्यास बोर्ड ने निर्णय लिया है कि हम निश्चित रूप से पुरस्कार के सम्मान के लिए पुरस्कार स्वीकार करेंगे, लेकिन इसके साथ मिलने वाली धनराशि नहीं लेंगे। त्रिपाठी ने कहा कि न्यास बोर्ड के अध्यक्ष केशव राम जी अग्रवाल, महासचिव विष्णु प्रसाद चंदगोटिया और न्यासी देवी दयाल प्रेस का प्रबंधन देखते हैं। हालांकि, वर्ष 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार मिलने की खबर मिलते ही गोरखपुर और गीता प्रेस में खुशी की लहर दौड़ गई।

हिंदू धार्मिक ग्रंथों और पुस्तकों का दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाशक गीता प्रेस है। इसकी स्थापना वर्ष 1923 में सनातन धर्म के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए जयदयाल गोयनका और घनश्याम दास जालान ने की थी।

त्रिपाठी ने कहा कि प्रेस की स्थापना वैशाख शुक्ल त्रयोदशी के दिन 29 अप्रैल, 1923 को हुई थी। प्रेस अब तक 93 करोड़ से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर चुका है और प्रेस का समस्त प्रकाशन कार्य गोरखपुर में होता है।

त्रिपाठी ने कहा कि वे 15 भाषाओं और 1,800 प्रकार की पुस्तकें प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में पाठकों को दो करोड़ 40 लाख पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस, गोरखपुर को अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुरस्कार जीतने पर गीता प्रेस को बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की है।

मिलन समारोह

बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी सोमवार को पटना में मिलन समारोह के दौरान कांग्रेस नेताओं शीला कुशवाहा, कुंतल कृष्णन और कौशल वर्मा के साथ हाथ मिलाते हुए।

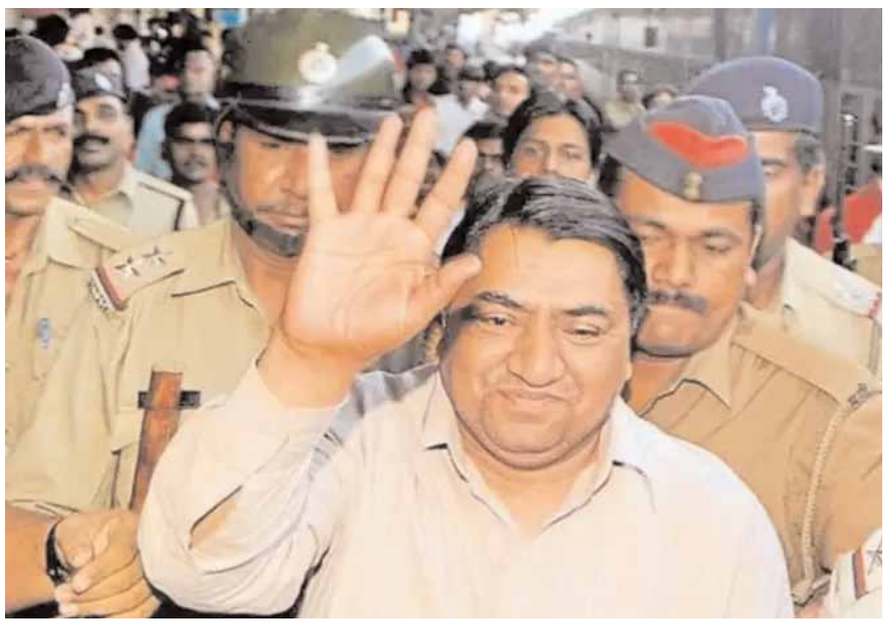

'स्कैम 2003 द तेलगी स्टोरी' 3 सितंबर को सोनी लिव पर होगा प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव 2.0 स्कैम 2003: द तेलगी स्टोरी की रिलीज की तारीख की घोषणा करके अपने पुन: लॉन्च की तीसरी वर्षगांठ मना रहा है। बहुप्रतीक्षित सीरीज 2 सितंबर 2023 को प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू होगी। इस श्रृंखला को पत्रकारसमाचार रिपोर्टर संजय सिंह द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक रिपोर्टर की डायरी से रूपांतरित किया गया है, जिन्हें उस समय के घोटाले की कहानी को तोड़ने का श्रेय दिया जाता है। स्कैम 2003: द तेलगी स्टोरी अब्दुल करीम तेलगी द्वारा 2003 के स्टैम्प पेपर स्कैम की कहानी पेश करती है। श्रृंखला एक दिलचस्प कहानी होने का वादा करती है क्योंकि यह कर्नाटक के खानापुर में पैदा हुए अब्दुल करीम तेलगी के जीवन और पूरे देश को हिला देने वाले 18 राज्यों में फैले भारत के सबसे सरल घोटालों में से एक के पीछे मास्टरमाइंड बनने की उनकी यात्रा को बताएगी। इस शो में लेखक संजय सिंह के साथ कहानी लिखने और विकसित करने के लिए मराठी फिल्म उद्योग में अपने योगदान के लिए जानी जाने वाली किरण यज्ञोपवीत का सहयोग लिया गया है। स्कैम 2003 स्टूडियो नेक्स्ट के सहयोग से अपलॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। श्रृंखला हंसल मेहता द्वारा अभिनीत और तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित है। स्कैम 2003: द टेल्गी स्टोरी का प्रीमियर 02 सितंबर 2023 को केवल सोनी लिव पर होगा!

शाहिद कपूर और कृति सेनन की आगामी फिल्म सात दिसंबर को रिलीज होगी

मुंबई/भाषा

अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री कृति सेनन की आगामी फिल्म अब सात दिसंबर को रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इससे पहले यह फिल्म अक्टूबर में रिलीज होने वाली थी। अमित जोशी और अराधना साह द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म निर्माता कंपनी 'मैडॉक फिल्म्स' ने ट्विटर पर फिल्म रिलीज की नई तारीख की घोषणा की। कंपनी ने ट्वीट में लिखा, यह प्रेम कहानी सात दिसंबर 2023 को रिलीज होगी। जियो स्टूडियो और दिनेश विजन द्वारा शाहिद कपूर और कृति सेनन को पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। फिल्म में कपूर और सेनन के अलावा दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया भी नजर आएंगे।

करीना ने 'द क्रू' के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी की

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म 'द क्रू' के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर यह जानकारी दी। करीना ने शनिवार रात फिल्म की टीम के साथ ली गई सेल्फी साझा करते हुए लिखा, यह आधिकारिक तौर पर गर्मियों की छुट्टियों का समय है। यह अब तक की सबसे अच्छी टीम है। 'द क्रू' के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी हुई। रिया कपूर और एकता कपूर द्वारा निर्मित 'द क्रू' का निर्देशन राजेश कृष्णन कर रहे हैं। फिल्म में करीना के अलावा तब्बू, कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और अभिनेत्री आलिया भट्ट स्टारर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर इन दिनों फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' बना रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की मुख्य भूमिका है। करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का पोस्टर शेयर किया है।

पोस्टर में आलिया भट्ट और रणवीर सिंह का लुक देखने लायक है। जहां आलिया भट्ट रेड साड़ी में नोज पिन पहने बेहद प्यारी लगीं। वहीं रणवीर सिंह भी रेड आउटफिट में डैशिंग लगे। पोस्टर के अनुसार 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का टीजर कल यानी 20 जून को रिलीज होगा। यह फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पोस्टर को शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, प्यार के दौरान की बस केवल शुरुआत हुई है।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का टीजर कल रिलीज हो जाएगा तो याद रखें। फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट के अलावा धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी मुख्य भूमिका में हैं।

जुलाई में अमेजन प्राइम पर प्रदर्शित होती नितेश तिवारी की 'बवाल'

मुंबई/एजेन्सी

पहली बार, एक नई जोड़ी बवाल ला रही है जिसमें जान्हवी कपूर और वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म से टीम को काफी उम्मीदें हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, फिल्म पर नवीनतम अपडेट यह है कि इसे जुलाई 2023 में विशेष रूप से अमेज़ॅन प्राइम वीडियो पर रिलीज़ किया जाएगा। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने कमर्शियल एंटरटेनर को अमेज़न प्राइम वीडियो को बेच दिया था। उसी की पुष्टि करते हुए, अमेज़ॅन प्राइम वीडियो ने नाडियाडवालास के सहयोग से फिल्म का पहला लुक जारी किया है और साथ ही यह भी घोषणा की है कि फिल्म का प्रीमियर जुलाई 2023 में होगा। छोटे शहर के लड़के के लुक के साथ कैप्शन में लिखा है, हर प्रेम कहानी का अपना युद्ध होता है।

प्राइम में कंटेंट लाइसेंसिंग के निदेशक मनीष मेंघानी ने कहा, प्राइम वीडियो देश के सबसे प्रसिद्ध निर्देशकों में से एक, नितेश तिवारी के प्यार बवाल के श्रम को 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक ले जाने के अवसर से पूरी तरह से खुश है। यह नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की पहली फिल्म है जिसका विश्व स्तर पर सीधे प्राइम वीडियो पर प्रीमियर किया गया है, और हम साजिद को इस विशेष फिल्म के साथ हम पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देते हैं। यह सार्वभौमिक अपील के साथ एक असाधारण कहानी है, जो वरुण और जान्हवी द्वारा शानदार प्रदर्शन द्वारा संचालित है। सेट भारत के केंद्र में, मनोरंजक कथा दर्शकों को यूरोप के माध्यम से पहले कभी नहीं देखी गई यात्रा पर ले जाती है। हमारा मानना है कि एक फिल्म जो भारत में निहित है, लेकिन एक वैश्विक अपील है, न केवल भारत में बल्कि पूरे दुनिया में ग्राहकों तक पहुंचने की हकदार है। हम इस खूबसूरत फिल्म का आनंद लेने के लिए प्राइम वीडियो दर्शकों का इंतजार नहीं कर सकते।

निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने कहा, बवाल मेरे लिए एक बहुत ही खास फिल्म है, और मेरी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म का निर्माण करना एक परम आनंद की बात है, जिसे मेरे सबसे पसंदीदा फिल्म निर्माता नितेश तिवारी ने निर्देशित किया है, जिसमें वरुण और जान्हवी अपना योगदान दे रहे हैं। मुझे इस पर बहुत गर्व है, और मैं इसे जुलाई में प्राइम वीडियो पर इसके विश्वव्यापी प्रीमियर की घोषणा करने के लिए रोमांचित हूं। मैं इस फिल्म की भौगोलिक बाधाओं को तोड़कर दर्शकों तक पहुंचने की संभावना से उत्साहित हूं। 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में एक साथ। यह कहानी एक भव्य विश्वव्यापी प्रीमियर की हकदार है और मुझे प्राइम वीडियो के साथ जुड़ने की खुशी है, जिसकी अविश्वसनीय वैश्विक पहुंच है। निर्देशक नितेश तिवारी ने कहा, तीन भारतीय स्थानों और पांच यूरोपीय देशों में शूट की गई, बवाल में एक आकर्षक कहानी, नाटकीय दृश्य और मुख्य प्रतिभा वरुण और जान्हवी के बीच बिल्कुल अद्भुत केमिस्ट्री है।

मेरा मानना है कि प्राइम वीडियो पर विश्वव्यापी प्रीमियर हमें बवाल लेने में मदद करेगा। हमने इस फिल्म को अपने दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बहुत जुनून और प्रतिबद्धता के साथ काम किया है और अब हम उनकी प्रतिक्रिया सुनने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। फर्स्ट लुक के साथ, अमेज़न प्राइम वीडियो पोस्ट ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म एक साथ 200+ देशों में रिलीज़ होगी।

सस्ता मजदूर हूं : मनोज बाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफ़ी है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके अलावा उन्हें वेब सीरीज स्पाई ड्रामा 'द फैमिली मैन' के बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए काफी पसंद किया गया था। इस बीच हाल ही में मनोज बाजपेयी ने कहा कि उन्हें शो के लिए उस तरह का पैसा नहीं मिला, जितना उन्हें मिलना चाहिए था। मीडिया को दिए इंटरव्यू में मनोज ने कहा कि मेकर्स ज्यादातर बड़े स्टार्स या फिर विदेशी कलाकारों को ज्यादा पैसे देते हैं। उन्हें प्रोजेक्ट्स में ज्यादा फीस मिलती है। द फैमिली मैन का पहला सीजन 2019 में रिलीज किया गया। वहीं दूसरा सीजन 2021 में आया।

यूट्यूब चैनल अनफिल्टर्ड बॉय समदीश को दिए इंटरव्यू में मनोज से जब उनके बैंक बैलेंस और फीस के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब में एक्टर ने कहा कि 'गली गुलियां' और 'भोसले' जैसी फिल्में करने से आप मोटा पैसा नहीं कमा सकते हैं। मनोज से पूछा गया कि उन्हें द फैमिली मैन के लिए सलमान खान या शाहरुख खान टाइप फीस मिली है? इस पर मनोज ने कहा- 'मुझे शो के लिए उस तरह के पैसे नहीं मिल रहे हैं। जढढ वाले रेगुलर प्रोड्यूसर से कम नहीं होते हैं।' वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' का डायरेक्शन राज निधिमोरु और कृष्णा डी के ने किया था।

मनोज ने आगे कहा- 'वो ज्यादातर बड़े स्टार्स को मोटी फीस देते हैं। द फैमिली मैन के लिए मेरे पास जिस तरह के पैसे होने चाहिए थे, वह मुझे नहीं मिले हैं। गोरा (विदेशी कलाकार) शो करेगा तो वो पैसे देंगे। सस्ते लेबर के कारण चीन में बड़े-बड़े ब्रांड की फैक्ट्रियां हैं, उसी तरह मैं यहां का सस्ता मजदूर हूं। अगर जैक रायन के एक्टर्स आते हैं और लीड करते हैं, तो मेकर्स उन्हें बहुत पैसा देंगे।' मनोज बाजपेयी को इडंस्ट्री में पैर जमाने के लंबा समय लगा। इस दौरान उन्होंने बहुत स्ट्रगल किया। द फैमिली मैन का पहला सीजन 2019 में स्ट्रीम किया गया था, जिसे ऑडियंस ने बेहद पसंद किया था। वहीं शो का दूसरा सीजन 2021 में आया था। वेब सीरीज के दोनों ही सीजन सुपरहिट रहे थे। ऐसे में फैंस लंबे समय से तीसरे सीजन का इंतजार कर रहे हैं। बीते दिनों एक इंटरव्यू के दौरान मनोज ने बताया था कि उनकी पत्नी ने उन्हें यह शो करने से मना किया था और कहा था कि इस वेब सीरीज अपने अच्छे-खासे करियर को बर्बाद कर रहे हैं। मनोज ने बताया था कि 'द फैमिली मैन' के चलते उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए थे।